हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 1 जून 2025

RCP INFRATECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

PLOTS -
1000 Sq.ft (92.2 sq.MT)
1200 Sq.ft (111.5 sq.MT)

VILLAS -
2 BHK
3 BHK
4 BHK

₹ 3,00,000/-
DIRECT DISCOUNT

SHOPS & OFFICES STARTS ₹ 9.99 LACS
(Rental Shop Also Available)

Follow us on :
@VIPCITYRPR

CALL-812 000 8290

Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP VILLAS/SHOP) RERA NO. : PCGRERA130223001603
(PRIME- 2) RERA NO. : PCGRERA130422001395
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.),
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps

फायनेंस उपलब्ध
SBI | Central Bank of India | kotak | HDFC HOME LOANS

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
यूनिट-1
यूनिट-2
यूनिट-3
संजीवनी व काले हॉस्पिटल का संयुक्त उपक्रम अतिशीघ्र जगदलपुर में
संजीवनी व श्रीराम केयर हॉस्पिटल का संयुक्त उपक्रम अतिशीघ्र बिलासपुर में
संजीवनी, डॉ परीदा व वसुंधरा बिल्डर्स का संयुक्त उपक्रम अतिशीघ्र अम्बिकापुर में
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए
पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
WE Welcome TO OUR TEAM
WE Congratulate FOR PROMOTION TO SURGICAL DIRECTOR
डॉ. मौ रॉय
MS, MCH (Surgical Oncology)
Clinical Director-Sanjeevani group of hospitals
Seniormost cancer surgeon of the state
- 22 years experience, Only trained Onco-plastic breast surgeon of state
डॉ. विकास अग्रवाल
MBBS, DrNB, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS
Senior Cancer Surgeon
with 11+ years of overall experience
डॉ. अर्पण चतुरमोहता
MS, MCH, FIAGES
HOD, Director Surgical Oncology
Senior Cancer Surgeon
हमारे विशेषज्ञ
मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
डॉ. विकास गोयल Hematology & Hemato-oncology
डॉ. अनिकेत ठोके Chemotherapy Specilaist
डॉ. राकेश मिश्रा Medical Oncologist
न्यूक्लियर मेडिसीन एवं रेडियोलॉजी
डॉ. सरीन कृष्णा Consultant, Nuclear Medicine
डॉ. विकास मेश्राम Consultant Nuclear Medicine
डॉ. शुभम असरानी Radiologist
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
उच्च अनुभवी सर्जरी विशेषज्ञों की टीम
डॉ. युसूफ मेमन Director & Sr. Cancer Surgeon
डॉ. अर्पण चतुरमोहता HOD, Director, Sr. Cancer Surgeon
डॉ.मौ रॉय Clinical Director, Sr. Cancer Surgeon
डॉ. विवेक पटेल Sr. Cancer Surgeon
डॉ. कल्याण पांडे Sr. Cancer Surgeon
डॉ. विकास अग्रवाल Senior Cancer Surgeon
रेडियेशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. रमेश कोठारी Radiation Oncologist
डॉ. सतीष देवांगन Radiation Oncologist
पेन, पैलियेटिव मेडिसिन विभाग
डॉ. अविनाश तिवारी Pain and Palliative Medicine Specialist
डॉ.नलनेश शर्मा Physiotherapist Clinical Rehabilitation
क्रिटीकल केयर एवं एनेस्थेसिया विभाग
डॉ. हितेन मिस्त्री Anaesthesiologist
डॉ. राहुल गोयल Anaesthesiologist and Intensive Care MD
डॉ. योशिता मुलचंदानी Anaesthesiologist & Intensive Care Specialist
डॉ. विपिन चंद्राकर MBBS, DA Anaesthesiologist
प्लास्टिक सर्जरी
डॉ. अनिरूद्ध गुप्ता Plastic Surgeon
हिस्टोपैथ, फ्रोजन, आई.एच.सी.
डॉ. पार्वती जोशी Histopathologist
डॉ. अमिर हुसैन Pathologist
डॉ. अन्नपूर्णा कुमारी Pathologist
ASA
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर 7389905010, 04010, +91 7714081010, 4061010

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ट्रेनों के बार-बार रद्द होने के कारण यात्रियों का रुझान अब बसों की ओर बढ़ गया है, लेकिन यहां भी उन्हें मनमाने किराए की मार झेलनी पड़ रही है। परिवहन विभाग ने पिछले वर्ष सभी बसों में दूरी के अनुसार किराए की सूची अनिवार्य रूप से लगाने का आदेश जारी किया था, लेकिन अब ये सूचियां 70 प्रतिशत बसों से गायब हो चुकी हैं।

विभाग के बस फेयर कैलकुलेटर के तय मानकों से अधिक वसूल रहे किराया

ट्रेनों के लगातार रद्द होने से यात्रियों क रुख बसों की ओर लेकिन यहां भी मनमाना किराया

ट्रेनों की कटौती, बसों में लूट! 500 तक किराया में अंतर, 70 फीसदी बसों से सूची गायब, ऑनलाइन में भी मनमानी वसूली

अलग खबर

ललित राठोड़/रायपुर। यात्रियों से एसी और नॉन-एसी बसों में तय दरों से अधिक किराया वसूला जा रहा है। स्थिति यह है कि हर बस का किराया अलग-अलग तय किया गया है। बस संचालकों ने बसों में मिलने वाली सुविधाओं के आधार पर खुद ही किराया तय कर लिया है, जिससे यात्रियों को श्रम और आर्थिक नुकसान दोनों उठाने पड़ रहे हैं। हरिभूमि की टीम ने अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल पर मुंबई, भोपाल, जगदलपुर, बिलासपुर सहित अन्य शहरों को जाने वाली बसों ▶▶|शेष पेज 5 पर

केस 01 — रायपुर-औरंगाबाद

रायपुर से औरंगाबाद की दूरी 734 किमी है। परिवहन विभाग के बस फेयर कैलकुलेटर के अनुसार, डीलक्स स्लीपर कोच में इस दूरी का अधिकतम किराया 1466 रुपए होना चाहिए। लेकिन बस टर्मिनल पर एजेंट यात्रियों से 1600 रुपए तक वसूल रहे हैं। ऑनलाइन टिकट की स्थिति और भी खराब है। यहां डीलक्स स्लीपर कोच का किराया 1800 से 1900 रुपए तक दिख रहा है, ▶▶|शेष पेज 5 पर

केस 02 — रायपुर से नागपुर

रायपुर से नागपुर की दूरी 284 किमी है। डीलक्स सेमी स्लीपर कोच में इसका किराया 566 रुपए तक लेना है। लेकिन बस अड्डे पर एजेंट नागपुर के लिए इसी बसों का किराया दिन में 700 तक वसूल रहे हैं। रात में यात्रियों से किराया सही रेट पर ले रहे हैं। ऑनलाइन में 6 बसों का किराया 600 से 700 के बीच है, तो वहीं आधा ▶▶|शेष पेज 5 पर

रूट एक लेकिन बसों का किराया अलग

परिवहन विभाग ने बसों के प्रकार और दूरी के अनुसार किराया निर्धारित किया है, लेकिन हकीकत में बस संचालक अपने हिसाब से किराया वसूल रहे हैं। डीलक्स स्लीपर कोच बस में रायपुर से दंतेवाड़ा की दूरी 357 किमी है, जिसके लिए तय किराया 712 रुपये है, लेकिन बस टर्मिनल पर टिकट एजेंट यात्रियों से 800 रुपये तक वसूल रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि एक ही तरह की बसें, जो एक ही रूट पर लगभग समान समय करीब 7 घंटे 45 मिनट में सफर तय करती हैं, उनका किराया अलग-अलग वसूला जा रहा है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

सुशासन तिहार के समापन के बाद मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकारों से की चर्चा

साय ने कहा-जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार, दोषियों को दंड देंगे

5000 शिक्षकों की भर्ती करेंगे, राशन को लेकर कोई शिकायत नहीं

अगले साल मार्च से पहले ही कर देंगे नक्सलियों का सफाया, शांति वार्ता के लिए तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

8 अप्रैल से शुरू हुए सुशासन तिहार का समापन हो गया। समापन के बाद वरिष्ठ पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 40 लाख से अधिक आवेदन आए थे। उनमें से 95 फीसदी का निराकरण कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रदेश के 33 जिलों का भ्रमण किया। गांवों में जन चौपाल लगाकर, लोगों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याओं को समझा और समाधान सुनिश्चित किया। यह अनुभव मेरे जीवन की मूल्यवान थाती है।

श्री साय ने पत्रकारों से औपचारिक चर्चा करते हुए प्रदेश के जुड़े मुद्दों पर बात की। नक्सलवाद पर उन्होंने कहा कि जिस तरह अभियान चल रहा है उससे लगता है कि मार्च 2026 से पहले ही नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। नक्सलियों के साथ शांति वार्ता पर उन्होंने दो टूक कहा-किसने ▶▶|शेष पेज 5 पर

धान का बोनस देते रहेंगे

धान का बोनस देने और उसका असर राजस्व पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी को हर हाल में पूरा करते रहेंगे। किसानों को बोनस दिया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार राजस्व में वृद्धि के रास्ते खोज रही है। अलग-अलग तरीकों से राजस्व बढ़ भी रहा है। राजस्व बढ़ेगा तो विकास कार्य नहीं रुकेंगे। धान का बोनस भी देते रहेंगे और छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार बढ़ाएंगे।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार हुआ

श्री साय ने माना कि सुशासन तिहार में जल जीवन मिशन को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया। कई गांव ऐसे हैं जहां टंकी खड़ी है, नल लग गए हैं लेकिन टोंटियों से पानी नहीं आता। बोर में पानी नहीं है लेकिन टंकी बना दी गई। अब उसका ग्रामीण क्या करें? अब ऐसे गांवों में पानी पहुंचाने की योजना बना रहे हैं। जिन्होंने भ्रष्टाचार किया उन्हें भी दंडित करेंगे।

राशन वितरण को लेकर शिकायतें नहीं

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार जब प्रारंभ हो रहा था तब राशन वितरण को लेकर तमाम शंकाएं थीं, पता नहीं किस तरह की शिकायतों का सामना करना पड़ेगा। लाखों परिवारों से जुड़ा विषय है। कितनी शिकायतें आएंगी। लेकिन मुझे सुकून है कि प्रदेशभर में कहीं भी राशन को लेकर कोई शिकायत नहीं आई।

शाला प्रवेशोत्सव में 14 दिन शेष

जिले के अधिकांश स्कूलों की नहीं सुधरी दशा

अब कैसे होगी पढ़ाई

स्कूल खुलने और शाला प्रवेशोत्सव में मात्र 14 दिन ही शेष हैं, इसके बाद भी खंडहर में तब्दील घरघोड़ा के बेलडीपा प्राथमिक शाला की तस्वीर नहीं बदल सकी है। यहां पढ़ने वाले बच्चे नए सत्र में भी दूसरे के घर के बरामदे में भविष्य गढ़ने को मजबूर होंगे। गौर करने वाली बात यह है कि जिले के अधिकांश स्कूल सालों से जर्जर अवस्था में हैं, जिसमें अब तक सुधार कार्य नहीं हो सका है।

बच्चे कई सालों से एक ग्रामीण की परछी में पढ़ने को मजबूर

बिना छत, जर्जर दीवारें खंडहरों में फिर कक्षाएं

बेलडीपा में बरामदे में बैठकर बच्चे गढ़ेंगे भविष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

हरिभूमि लगातार

दरअसल घरघोड़ा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत घरघोड़ी के आश्रित ग्राम बेलडीपा में प्राथमिक शाला के बच्चे कई सालों से एक ग्रामीण की परछी में पढ़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों की मानें तो उक्त प्राथमिक शाला अत्यंत जर्जर अवस्था में है, इसलिए इसे स्कूल न कहते हुए खंडहर कहना उचित होगा। यहां के छत में लगा सीमेंट का प्लास्टर अचानक कभी भी गिरते रहता है। जिससे बच्चों की ▶▶|शेष पेज 5 पर

शिविर में शिकायत के बाद भी नहीं निकला समाधान

ग्रामीणों ने बताया कि 7 जुलाई 24 को बरनाकुंडा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में शामिल होने के लिए तत्कालीन कलेक्टर कार्तिकेय गोयल भी वहां पहुंचे हुए थे। जहां ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात कर बेलडीपा के अति जर्जर स्कूल की जानकारी दी और ज्ञापन सौंप ▶▶|शेष पेज 5 पर

बच्चों के मामलों में किसी प्रकार का नहीं ले सकते रिस्क

गांव के फलित पटेल ने बताया कि सालों पहले जब बच्चे स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे, उसी समय छत का प्लास्टर भरभरा कर गिर गया। गनीमत यह रही कि उसकी चपेट में कोई बच्चे नहीं आए और बाल-बाल उनकी जान बच गई। इसके बाद सभी अभिभावक सकते में आ गए और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें रामसाय सिदार के घर की परछी में शिफ्ट कर दिया गया, क्योंकि वो किसी प्रकार की रिस्क नहीं लेना चाह रहे हैं।

बारिश में बच्चों को होती है परेशानी

ग्रामीण प्रेम राठिया ने बताया कि प्रशासन स्कूल मरम्मत के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में हर साल बारिश में बच्चों को परेशानी होती है, क्योंकि तेज बारिश में बरामदे में भी पानी का फुहार घुसता है और तेज आवाज के बीच बच्चों की पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती।

आंधी से उड़ गया स्कूल का टीन शेड

तखतपुर। नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने वाला है और बच्चे फिर से खण्डहरनुमा भवन में बैठकर पढ़ाई करेंगे। विकासखंड प्राथमिक शाला विचारपुर के भवन की छत पूरी तरह उखड़ गया और यदि हल्की सी भी बारिश हुई तो वहां पर बैठना तो दूर खड़ा होना भी मुश्किल है। पालकों को अब यही चिंता है कि स्कूल खुलते ही उनके बच्चों की कहां पढ़ाई होगी। शासन नए सत्र ▶▶|शेष पेज 5 पर

पूर्व माध्यमिक शाला ढनढन की छत उड़ी

यही हाल ढनढन के पूर्व माध्यमिक शाला भवन की है। बीते दिनों आई आंधी से छत पर लगी टीन उखड़ गई है। यहां भी बच्चों की बैठने की व्यवस्था नहीं है। यह भी एक बीच मैदान पर है जहां और कोई इस भवन के अलावा व्यवस्था नहीं है। यहां भी बच्चों के साथ साथ पालक चिंतित है कि छठवीं से आठवीं कक्षा की पढ़ाई स्कूल खुलते ही कैसे इस भवन में होगी।

पोती का तेलगु भाषा में पत्र व वीडियो संदेश आया सामने

एक करोड़ रुपए के ईनामी नक्सली देवजी की पोती बोली- लौट आइए...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अबूझमाड़ मुठभेड़ में 10 करोड़ के ईनामी नक्सल चीफ बसवराजु के मारे जाने के बाद अब नक्सल चीफ की दौड़ में सबसे अग्रिम पंक्ति में शामिल एक करोड़ के ईनामी थिप्परी तिरूपति उर्फ देवजी के परिजन चिंतित नजर आ रहे हैं। देवजी की पोती इटलू सुमा थिप्परी व अन्य परिजनों का मार्मिक पत्र और वीडियो संदेश सामने आया है, जिसमें पोती सुमा अपने दादा देवजी से घर वापस लौट आने की अपील कर रही है। 21 मई को अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया गया ▶▶|शेष पेज 5 पर

बसवराजु के मारे जाने के बाद देवजी महासचिव पर नजर

तेलगू भाषा में दिया संदेश: यह पत्र और वीडियो संदेश तेलगू भाषा में जारी किया गया है। इस पत्र और वीडियो संदेश में पोती सुमा देवजी को सम्बोधित करते हुए कहा है कि आपके विचार, आपका साहस, आपकी दृढ़ता यह सब मेरे लिए बहुंत प्रेरणादायक है। उसने लिखा है कि प्रिय दादा जी आपको मेरा प्रणाम, मुझे हमेशा ▶▶|शेष पेज 5 पर

शिक्षा दूत की हत्या में शामिल तीन हार्डकोर ईनामी नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। शिक्षादूत की हत्या में शामिल तीन हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार करने में फोर्स ने सफलता प्राप्त की की है। मुखबिर की सूचना पर 30 मई को थाना जगरगुण्डा से तोमेश वर्मा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जगरगुण्डा के साथ जिला बल एवं 165 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान ग्राम गोंदपल्ली में थाना जगरगुण्डा के प्रकरण में फरार चल रहे 3 हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। डोडी पोदिया उर्फ प्रकाश पिता स्व. बक्का सीआरसी रीजनल कम्पनी नंबर 2 का सदस्य/पीपीसीएम ईनामी 8 लाख (36), निवासी गोंदपल्ली सरपंचपारा थाना ▶▶|शेष पेज 5 पर

मिस वर्ल्ड बनीं थाइलैंड की ओपल

हैदराबाद। मिस थाईलैंड ओपल सुचाता चुआंगसरी को शनिवार को मिस वर्ल्ड 2025 का ताज पहनाया गया। 72वीं मिस वर्ल्ड 2025 का ग्रैंड फिनाले हैदराबाद में आयोजित हुआ। ये क्राउन चेक गणराज्य की मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने उनके सिर पर सजाया। **-भीतर भी देखें...**

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार दो की मौत

हरिभूमि न्यूज/भिलाई। फेरीकर घर लौट रहे बाइक सवार युवक व नाबालिग की ट्रेलर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना भिलाई तीन थाना क्षेत्र का है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया। वहीं घायल नाबालिग को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, तभी नाबालिग की मौत हो गई। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश मुजफ्फर नगर जिले के थाना शहपुर ग्राम अदमपुर निवासी मोनिस कुरैशी 18 वर्ष और 14 वर्षीय सुहान कुरैशी बाइक में सवार होकर रायपुर से फेरी कर ▶▶|शेष पेज 5 पर

सेवानिवृत्ति के दिन सलाखों के पीछे पहुंचा इंजीनियर

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार के एक वरिष्ठ इंजीनियर बैकुंठ नाथ सारंगी को शनिवार को उनकी सेवा के अंतिम दिन भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मामले में इंजीनियर सारंगी पर आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप है। यह कार्रवाई राज्य सतर्कता विभाग (विजिलेंस) द्वारा की गई।

बता दें कि गिरफ्तारी से एक दिन पहले विजिलेंस अधिकारियों ने सारंगी के ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें 2.56 करोड़ रुपए नकद, दो बहुमंजिला इमारतें, दो फ्लैट, सात महंगे प्लॉट, 1.5 करोड़ रुपए की बैंक जमा राशि, शेयर, म्यूचुअल फंड व बीमा में 2.7 करोड़ रुपए का निवेश, ▶▶|शेष पेज 5 पर

छापा के दौरान खिड़की से फेंकी नकदी

मीडिया रिपोर्ट की माने तो छापे के दौरान जब अधिकारी इंजीनियर बैकुंठ नाथ सारंगी के भुवनेश्वर स्थित फ्लैट पहुंचे तो सारंगी ने 500 के नोटों की गड्डियां खिड़की से बाहर फेंकने की कोशिश की, ताकि पकड़े न जाएं। गौरतलब है कि सारंगी ओडिशा के ग्रामीण कार्य विभाग में योजना सड़कों के मुख्य अभियंता थे और 31 मई को 34 साल की सरकारी सेवा के बाद रिटायर होने वाले थे।

तरकश

संजय के. दीक्षित

छत्तीसगढ़ः ऐसे नेता, ऐसा तंत्र

बात 2005-06 के आसपास की होगी। तत्कालीन राज्य सरकार का सिकलसेल पर बड़ा जोर था। मैंने भी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में इस पर कई स्टोरी की। तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे कलाम के हाथों मुझे सिकलसेल पर शोध करने के लिए फेलोशिप मिला। तब डॉ० कृष्णमूर्ति बांधी हेल्थ मिनिस्टर थे। उस दौरान राज्य सरकार ने फैसला किया था कि सिकलसेल का एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाया जाएगा। अब खबर है कि वर्तमान सरकार ने इसके लिए प्रयास तेज किया है...बिल्डिंग का निर्माण प्रारंभ होने वाला है। याने घोषणा के बाद बिल्डिंग का काम शुरू करने में दो दशक निकल गए। सिकलसेल मूलतः ओबीसी और आदिवासियों में पाई जाने वाली बीमारी है। इससे सूबे में हर साल 10 हजार से अधिक मौतें होती हैं। सात फीसदी बच्चे छह-सात साल के भीतर काल के गाल में समा जाते हैं। और अगर बच गए तो 50 से 55 तक ही चल पाते हैं। सियासी दृष्टि से छत्तीसगढ़ ओबीसी और आदिवासी डोमिनेटिंग स्टेट रहा है। इन समुदायों से कैबिनेट में हमेशा पांच से सात मंत्री रहे हैं। पिछली कांग्रेस सरकार तो ओबीसी अवधारणा पर ही बनी थी। उसके बाद भी सिकलसेल संस्थान अभी जमीन से उपर नहीं उठ पाया तो समझ सकते हैं कि छत्तीसगढ़ के ओबीसी नेता क्या कर रहे और तंत्र कैसा काम कर रहा है। और जब ओबीसी नेताओं को अपनों के मरने की चिंता नहीं तो अधिकारियों का क्या? बहरहाल, इस बीरबल की खिचड़ी वाले सिकलसेल संस्थान से यह भी साफ हो गया है कि आम आदमी की जानमाल को लेकर छत्तीसगढ़ का सिस्टम कितना गंभीर है।

देवपुरूष के नाम पर महापाप

भाजपा में पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी का दर्जा पितृ पुरूष से भी उपर है...पार्टी के लोग उन्हें प्रातः स्मरणीय मानते हैं। मगर पैसे के लिए लोग इतना नीचे गिर सकते हैं, यह इससे स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में लगाई जाने वाली अटलजी की 183 प्रतिमाओं में भी पैसे खाने का बंदोबस्त कर लिया गया है। असल में, सभी निकायों में अटल चौक बनाने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने 45 करोड़ रुपए स्वीकृत किया था। इसके लिए टेंडर हो गए हैं। मगर टेंडर से इतर प्रतिमा के लिए अनाधिकृत रूप से पांच फर्मों के नाम तय किए गए हैं। रायपुर से नगरीय निकायों के अधिकारियों और ठेकेदारों पर प्रेशर डाला जा रहा कि उन पांच लोगों से ही धातु की प्रतिमा खरीदी जाए। यह महज सुनी-सुनाई बात नहीं है। पद्मश्री नेल्सन समेत कई मूर्तिकारों ने नगरीय प्रशासन डायरेक्टर से इसकी लिखित शिकायत की है। अटलजी की प्रतिमा में कमीनशनखोरी...यह महापाप होगा। जिम्मेदार लोगों को सोचना चाहिए डायन भी एक घर छोड़कर चलती है...बीजेपी के लिए अटलजी तो देवपुरूष जैसे हैं।

20 हजार करोड़ का फटका!

सालों से एक परसेप्शन बना है कि सरकारें अधिकांश केस हार जाती है। मगर छत्तीसगढ़ में तो गजबे हो रहा है, जिस मामले का कोई सिर पैर नहीं, उस केस में भी हाई कोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से सरकार को इसलिए झटका लग गया कि ढंग से न पक्ष रखा गया और न पेपर प्रस्तुत किया गया। मामला शिक्षकों के क्रमोन्नत वेतनमान का है। 2.10 लाख शिक्षकों में से एक महिला शिक्षक क्रमोन्नत वेतनमान के लिए कोर्ट पहुंच गई। महिला शिक्षिका के पति वकील हैं, उन्होंने केस लगा दिया। और फिर इस मामले में सरकार कोर्ट-दर-कोर्ट हारते चले गई। अब आलम यह है कि सभी शिक्षकों को अगर क्रमोन्नत वेतनमान का भुगतान करना पड़ा तो यह करीब 20 हजार करोड़ बैठेगा। याने स्कूल शिक्षा विभाग का चार साल का बजट एक झटके में निकल जाएगा। जाहिर है, 20 हजार करोड़ का फिगर सुन स्कूल शिक्षा विभाग के साथ वित्त विभाग के लोगों के हाथ-पांव फुल गए हैं। सरकार को कायदे से लीगल डिपार्टमेंट पर और इंवेस्ट की जरूरत है...आखिर, सरकारी कामकाज का ये भी एक महत्वपूर्ण पार्ट है।

आईएएस के दो पोस्ट

सामान्य प्रशासन विभाग ने एलॉयड सर्विस कोटे के आईएएस के खाली के हुए दो पदों के लिए आवेदन मंगाया है। अनुराग पाण्डेय और शारदा वर्मा के रिटायर होने के बाद ये दोनों पद खाली हुए हैं। इस समय इस कोटे वाले सिर्फ एक आईएएस गोपाल वर्मा कवर्धा के कलेक्टर हैं। बता दें, आईएएस बनने के लिए तीन रास्ते होते हैं। पहला यूपीएससी क्लियर करके। दूसरा पीएससी में डिप्टी कलेक्टर सलेक्ट होने के करीब 15 साल बाद प्रमोट होकर। और तीसरा रास्ता है अन्य विभागों से मेरिट के आधार पर सलेक्ट होकर। छत्तीसगढ़ में इसके लिए तीन पदों का कोटा हैं। इस कोटे से सबसे पहले आलोक अवस्थी आईएएस बने थे। इसके बाद अनुराग पाण्डेय, शारदा वर्मा और गोपाल वर्मा की लाटरी खुली। यह पहला मौका है कि इस समय एक साथ दो पद के लिए सलेक्शन होना है। इसमें आवेदन करने के लिए छह जून लास्ट डेट है। आमतौर पर सरकार जिसे चाहती है, उसी का सलेक्शन होता है। चीफ सिकरेट्री की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी नामों को पेनल बनाती है। फिर यूपीएससी में डीपीसी होती है, उसमें सीएस भी एक मेंबर होते हैं। यूपीएससी वाले भी जानते हैं कि एलॉयड सर्विस से आईएएस कैसे बना जाता है, याने सब जाना-समझा मामला होता है। जाहिर है, जिसका पौव्वा भारी होगा, वह आईएएस बन जाएगा। रमन सरकार के दौरान जनसंपर्क के एक अधिकारी का नाम पर लगभग तय हो गया था मगर संघ का पसंद कोई और था, इस चक्कर में किरदार बदल गया। देखना है अब इस बार किन दो अधिकारियों की किस्मत खुलती है।

सचिव स्तर पर ट्रांसफर

सुशासन तिहार के बाद छत्तीसगढ़ में मंत्रालय में कुछ बदलाव किया जाएगा। दरअसल, अंबलगन पी० और अलरमेल मंगई सेंट्रल डेपुटेशन पर जा रहे। इसके अलावे विपिन मांझी और केएल चौहान का इस महीने रिटायरमेंट है। विपिन सूचना आयोग में सचिव हैं और चौहान बिलासपुर के अपर आयुक्त। वहीं, अंबलगन संस्कृति और पर्यटन विभाग के सचिव थे तो अलरमेल सिकरेट्री लेबर और पंजीयन के साथ लेबर आयुक्त थीं। इन विभागों में सरकार को नई पोस्टिंग करनी होगी। ऐसे में, मंत्रालय सचिव स्तर पर एक आदेश निकलना तय है।

सिकरेट्री की फौज

छत्तीसगढ़ में 2008 से लेकर 2018 तक एक ऐसा भी दौर था, जब सचिव स्तर पर अफसरों का बड़ा टोटा था। आलम यह था कि जूनियर अफसरों को बड़े-बड़े विभाग सौंपे जा रहे थे। मगर सचिवों की अब ऐसी फौज खड़ी हो गई है कि डायरेक्टर और एमडी के पदों पर सिकरेट्री लेवल के आईएएस अधिकारियों को बिठाए जा रहे हैं। जाहिर है, अब च्वाइस की कोई कमी नहीं है। इस समय चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन को मिलाकर पूरे 52 सिकरेट्री हैं। इनमें सेंट्रल डुपेटेशन वाले अफसर शामिल नहीं है...अंबलगन और अलरमेल भी नहीं। इसके अलावा जनवरी 2028 तक 2010, 11 और 12 बैच के 29 और आईएएस सिकरेट्री प्रमोट हो जाएंगे। सबसे बड़ा बैच है 2012। 2010 में सात, 2011 में 10 और 2012 में 12 आईएएस हैं। याने जनवरी 2028 में 2012 बैच भी सिकरेट्री बन जाएगा। जबकि, आरआर वालों में रिटायर होने वालों की संख्या दो-तीन से ज्यादा नहीं है। अमिताभ जैन अगले महीने रिटायर होंगे, उनके बाद रेणु पिल्ले 2027 और सुब्रत साहू जुलाई 2028 में। इस तरह से देखा जाए तो जनवरी 2028 में सचिवों की संख्या 75 से उपर पहुंच जाएंगी।

डीजीपी को बोनस नहीं

छत्तीसगढ़ में रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा पहले पुलिस प्रमुख रहे, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन के तहत दो साल की पोस्टिंग के फेर में 11 महीने का बोनस मिल गया। दरअसल, डीजीपी का पूर्णकालिक आदेश निकलने में देरी होने की वजह से उन्हें यह फायदा हुआ। वे सितंबर 2021 में प्रभारी डीजीपी बन गए थे। और पूर्णकालिक का आदेश हुआ अगस्त 2022 में। पूर्णकालिक डीजीपी में दो साल का टेन्योर मिलता है। भले ही रिटायरमेंट में छह महीने बचा हो मगर पोस्टिंग डेट से दो साल का कार्यकाल रहता है। ये और बात की...भारत सरकार ने जुनेजा को छह महीने का एक्सटेंशन दे दिया। इसलिए वे फरवरी 2025 में रिटायर हुए। इस तरह उन्हें 11 प्लस छह याने 17 महीने का एक्स्ट्रा लाभ मिल गया। मगर इस समय यूपीएससी से पेनल में दो अफसरों के नाम आए हैं, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। क्योंकि, अगर अरुणदेव गौतम डीजीपी बनते हैं तो उनका करीब दो साल बाद जुलाई 2028 में रिटायरमेंट है। याने वैसे भी दो साल ही बचा है उनके कार्यकाल में। हिमांशु गुप्ता का भी जून 2029 में रिटायरमेंट है। बोनस टाईम का फायदा हिमांशु को भी नहीं होगा। हां अगर राज्य सरकार लेट कर दो महीने बाद पूर्णकालिक डीजीपी का आदेश निकाले तो फिर गौतम को दो महीने का फायदा मिल जाएगा।

थैंक्स गॉड, जान बची

सुशासन तिहार का टेंशन तो सभी अधिकारियों को था मगर कलेक्टर, एसपी की जान ज्यादा सांसत में थी...न जाने क्या चूक हो जाए, और निबटा दिए जाएं। मुख्यमंत्री ने पहले ही दिन यह कहते हुए डरा दिया था कि कोई भी गड़बड़ी पाई गई तो सीधे कलेक्टर-एसपी सस्पेंड होंगे। मगर सब कुछ गुडी-गुडी निकल गया तो आज शाम इन अफसरों ने थैंक्स गॉड कहा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. यूपीएससी से पेनल आने के बाद पूर्णकालिक डीजीपी का आदेश निकलने में विलंब की वजह क्या है?
2. क्या ये सही है कि सुशासन तिहार में पुअर पारफर्मेंस की वजह से कुछ कलेक्टरों को बदला जा सकता है?

थाईलैंड की पहली महिला बनीं सुचाता जिनके सिर पर सजा मिस वर्ल्ड का ताज

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

हैदराबाद में हुई 72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का दुनियाभर के लोगों को इंतजार था। सबकी नजरें टिकी थीं कि आखिर कौन इस बार ये खिताब ले जाएगा। इस स्पर्धा में थाईलैंड की ओपाल सुचाता चुआंगश्री ने 'मिस वर्ल्ड 2025' का क्राउन अपने नाम किया। वे थाईलैंड के लिए यह खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं। टॉप 8 से भारत की नंदिनी गुप्ता बाहर हो गई थीं।

बॉलीवुड के सेलेब्स भी रहे मौजूद

बता दें कि बॉलीवुड के कुछ सेलेब्स इस फिनाले का हिस्सा रहे। सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस और ईशान खट्टर, 'मिस वर्ल्ड 2025' फिनाले में शामिल होने के लिए हैदराबाद पहुंचे थे। 2017 में मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम करने वालीं मानुषी छिल्लर भी इस इवेंट में बतौर मेहमान शामिल हुई थीं।

असली सोने और मोतियों से बनीं थीं पोशाकें

72वे मिस वर्ल्ड फिनाले के खास दिन के लिए सारे फाइनलिस्ट ने भारतीय फैशन डिजाइनर अर्चना कोचर द्वारा बनाएं खूबसूरती पारंपरिक जरी-मोती वाले कपड़े पहने। रिपोर्ट्स के अनुसार सभी हसीनाओं ने तेलंगाना की पारंपरिक बुनाई वाले कपड़े पहने थे, जिन्हें 723 कारीगरों ने महीनेभर में तैयार किया था। ग्रैंड फिनाले में 108 प्रतियोगियों की इन पोशाकों को असली सोने के तार और मोतियों का इस्तेमाल कर बुना गया था।

कौन हैं ओपाल सुचाता चुआंगश्री

सुचाता चुआंगश्री का जन्म 20 सितंबर 2003 में थाईलैंड में हुआ था। ये थाई मॉडल और ब्यूटी पेजेंट टाइटल होल्डर भी रह चुकी हैं। मिस वर्ल्ड बनने वाली ये पहली थाई महिला हैं, जिन्होंने अपने देश के लिए ये क्राउन जीता। इससे पहले ये 'मिस यूनिवर्स थाईलैंड 2024' भी रह चुकी हैं।

भारत की इन हसीनाओं ने पहना मिस वर्ल्ड का ताज

रीता फारिया ने भारत से पहली बार 1966 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। साल 1994 में ऐश्वर्या राय ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। साल 1997 में मिस वर्ल्ड का ताज डायना हेडन के सिर सजा था तो युक्ता मुखी 1999 में हुई मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की विजेता थीं। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का ताज पहना तो 17 साल के लंबे इंतजार के बाद हरियाणा की मानुषी छिल्लर ने यह खिताब जीता था।

पूरा देश कर रहा था नंदिनी की जीत की दुआ

नंदिनी का नाम पूरे देश की जुबान पर था। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में दुनियाभर की सुंदरियों को टक्कर देने वाली नंदिनी से पूरा देश उम्मीद लगाए बैठा था कि 2017 के बाद भारत को फिर मिस वर्ल्ड का खिताब मिलेगा। हर भारतीय चाहता था कि मिस वर्ल्ड 2025 का खिताब देश की बेटी ही जीते।

ऐसा गांव, जहां चलती है 'कोबरा की हुकूमत' कहा जाता है कोबरा कैपिटल ऑफ इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति में सांपों को हमेशा से पूजा जाता रहा है। पुराने ग्रंथों और मौजूदा भारतीय समाज के रीति-रिवाजों में भी सांपों, खासकर कोबरा का अलग ही महत्व है। ये सांप हमारी संस्कृति और जिंदगी का एक अहम हिस्सा हैं। भारतीय कोबरा का फन कुछ खास किस्म का होता है और इसी में उसका जानलेवा जहर भी भरा होता है। यही वजह है कि कोबरा को भगवान शिव और विष्णु से जोड़ा जाता है। नाग पंचमी जैसे त्योहारों पर हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोग इनकी पूजा करते हैं। इन धार्मिक बातों के अलावा, भारत के कुछ इलाके सांपों की ज्यादा आबादी के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसा ही एक गांव है अगुम्बे, जो कर्नाटक के पश्चिमी घाट में है। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कोबरा सांप की आबादी यहां ज्यादा होने की वजह से इस गांव को 'कोबरा कैपिटल ऑफ इंडिया' कहा जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी कहलाता है

इस गांव में काफी बारिश होती

है,जिसकी वजह से इसे 'दक्षिण का चेरापूंजी' भी कहते हैं। गांव में लगभग 600 लोग रहते हैं और यह इलाका पहाड़ियों, घने जंगलों और झरनों से घिरा हुआ है। प्राकृतिक रूप से काफी समृद्ध होने की वजह से प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीवों पर शोध करने वाले लोगों के लिए यह गांव एक स्वर्ग है।

600 लोगों की आबादी में छिपे हैं वर्षों पुराने राज

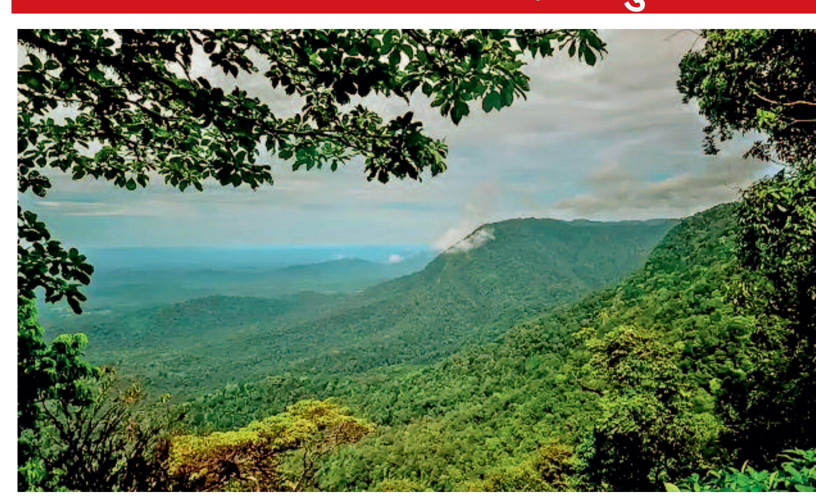

खास किस्म के जीवों से भरा है गांव

अगुम्बे में कई तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां कुछ खास तरह के फंगस भी मिले हैं, जिनके नाम अगुम्बे के नाम पर रखे गए हैं। जैसे कि मेलिओला अगुम्बेन्सिस, तारेन्ना अगुम्बेन्सिस, हाइग्रोमास्टर अगुम्बेन्सिस और डैक्टिलारिया अगुम्बेन्सिस। पश्चिमी घाट में पाए जाने वाले कुछ खास जीव भी यहां मिलते हैं, जिनमें मालाबार ग्लाइडिंग फ्रॉग, मालाबार हॉर्नबिल और मालाबार पिट वाइपर शामिल हैं। इलाके में काले तेंदुए और हाथी भी पाए जाते हैं। हालांकि, अगुम्बे का सबसे खास जीव है किंग कोबरा। एक तरह से यह इस इलाके का प्रतीक है। अगुम्बे में ही मशहूर सर्प विशेषज्ञ पद्मश्री रोमुलस व्हिटेकर ने अगुम्बे रेनफॉरेस्ट रिसर्च स्टेशन की स्थापना की थी। यहां भारत में पहली बार किंग कोबरा पर रेडियो टेलीमेट्री प्रोजेक्ट भी शुरू हुआ था।

सांपों की आबादी को रखता है कंट्रोल

किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा जहरीला सांप है। यह अपने इलाके में दूसरे सांपों की आबादी को कंट्रोल करके करता है। यही वजह है कि इस सांप को जैव विविधता के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। यह दूसरे सांपों को खाता है, जिनमें करैत और दूसरे छोटे कोबरा शामिल हैं। इस तरह यह सांपों की आबादी को नियंत्रण में रखता है और ईको सिस्टम में संतुलन बना रहता है।

ईंट और सीमेंट से नहीं, बल्कि 3डी प्रिंटर का इस्तेमाल करके बनाई गई हैं ये इमारतें

नई दिल्ली। घर बनाने के लिए आम तौर पर पत्थर, ईंट, सीमेंट और लकड़ी आदि का इस्तेमाल होता है। पहले मिटटी के घर बनाए जाते थे, जिनके मजबूत न होने के कारण अन्य सामग्रियों का इस्तेमाल होने लगा। आज के समय में इतना तकनीकी विकास हो गया है कि लोग घर बनाने के लिए प्रिंटर का इस्तेमाल करने लगे हैं।

टोर अल्वा : हाल ही में 3D प्रिंटर की मदद से बनाई गई दुनिया की सबसे ऊंची इमारत की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। यह इमारत स्विट्जरलैंड के 11 लोगों की आबादी वाले मुलेंग्स गांव में बनाई गई है, जिसका नाम टोर अल्वा या सफेद टावर है। इसे ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं और फंदाजीयुन ओरिजेन ने मिलकर बनाया है।

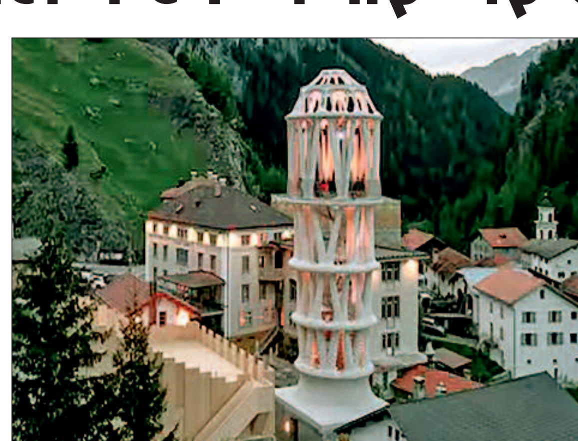

कासा कोविदा

कासा कोविदा 3डी प्रिंटर से बनाया गया एक टिकाऊ घर है। इसे कोलोराडो की सैन लुइस घाटी में इमर्जिंग ऑब्जेक्ट्स नामक कंपनी ने डिजाइन किया है। यह घर 3 बेलनाकार खंडों या गुंबददार संरचनाओं को जोड़कर बनाया गया है, ताकि इसमें कई लोग एक साथ रह सकें। कासा कोविदा की दीवारें रेत, मिट्टी और पानी का उपयोग करके बनाई गई हैं। घर को 3 अक्षीय चयनात्मक अनुपालन आर्टिकुलेटेड रोबोट आर्म का उपयोग करके बनाया गया है।

प्रोजेक्ट माइलस्टोन

हौबेन/वैन मिरलो आर्किटेक्ट्स ने नीदरलैंड के बोस्त्रिक में एक सोसाइटी बनाई है, जिसे प्रोजेक्ट माइलस्टोन नाम दिया गया है। इस कंपनी का उद्देश्य दुनिया की पहली और यूरोप की पहली रहने लायक 3D प्रिंटर निर्मित किराये की संपत्ति बनना था। इसे आइंडहोवन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर एक शोध परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित किया गया था। इस सोसाइटी में कुल 5 घर हैं, जिनमें से एक में लोग रहने भी लगे हैं।

कर्व अपील

कर्व अपील दुनिया का पहला फ्रीफॉर्म 3डी प्रिंटेड घर है, जिसका निर्माण टेनेसी के चट्टानूगा में किया गया है। इसे बनाने के लिए 3डी प्रिंटेड प्लास्टिक और कार्बन-फाइबर पैनल का इस्तेमाल किया गया है। यह घर प्रिंट करके बनाए गए बाकि सभी घरों से ज्यादा सुंदर है, क्योंकि इसकी डिजाइन सुडौल, घुमावदार और अलग है। इसकी दीवारें चिकनी बनाई गई हैं, जिसके कारण रोशनी पड़ने पर वे चमकने लगती हैं।

10000 बच्चों का बाप 700 किलो वजन और दानव जैसा शरीर! हेनरी मगरमच्छ की उम्र है 124 साल

नई दिल्ली। दुनिया के प्राचीन जीवों में से एक है मगरमच्छ। माना जाता है कि ये जीव करोड़ों वर्षों से धरती पर मौजूद है। मजबूत जबड़ों वाले मगरमच्छ अपने शिकार को देखते ही पलभर में उसका काम तमाम कर देते हैं। हालांकि, हैरानी की बात यह है कि उनके जबड़े को खोलने की क्षमता बहुत कमजोर होती है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि एक इंसान भी अपने हाथों से मगरमच्छ के मुंह को बंद रख सकता है। खैर, हम जिस मगरमच्छ के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, वो कोई आम मगरमच्छ नहीं है।

सबसे पुराना जीवित मगरमच्छ है हेनरी : इस मगरमच्छ का नाम है हेनरी और वह दुनिया का सबसे पुराना जीवित मगरमच्छ है। पिछले साल 16 दिसंबर 2024 को इस मगरमच्छ ने अपना 124वां जन्मदिन बनाया था। दक्षिण अफ्रीका के क्रोकवर्ल्ड कंजर्वेशन सेंटर में 1985 से रह रहे हेनरी ने 10 हजार से भी ज्यादा बच्चों को जन्म दिया है। उसकी उम्र और जिंदा रहने की ताकत दिग्गज वैज्ञानिकों को भी हैरान करती है। नील प्रजाति के इस मगरमच्छ को 1903 में बोत्सवाना के ओकावांगो डेल्टा में पकड़ा गया था। उसके जन्म की तारीख किसी को पता नहीं है, लेकिन माना जाता है कि वह लगभग साल 1900 में पैदा हुआ था। इस तरह ये मगरमच्छ एक सदी से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है।

भारत का एकमात्र गांव, जहां इंटरनेट आज भी है सपना, ऑनलाइन क्लास के लिए पहाड़ चढ़ते हैं छात्र!

नई दिल्ली। आजकल इंटरनेट का जमाना है। ऐसे में लोग बिना इसके कोई भी काम नहीं कर पाते हैं। इसके जरिए लोग घर बैठे एक दूसरे से कनेक्ट हो जाते हैं। एक दूसरे का हाल-चाल जान लेते हैं। एक दूसरे के पास घर बैठे डॉक्यूमेंट और फाइल शेयर कर लेते हैं। लोगों के जीवन का यह एक अहम हिस्सा बन चुका है। रोजमर्रा की कमाई कर रहे लोग भी इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। जिस तरह इंटरनेट ने लोगों को अपनी जगह में ले लिया है। ऐसे में क्या आपने कभी सोचा है कि अब की हालत में बिना इंटरनेट के लोगों का क्या होगा। ग्लोबल मार्केट से लेकर सभी कार्य इंटरनेट पर ही निर्भर है। आज हम आपको भारत के उस इकलौते गांव से रूबरू करवाएंगे, जहां आज भी लोग इंटरनेट सेवा उपयोग करने की राह देख रहे हैं।

लाहौल स्पीति में बसा है किब्बर गांव

दरअसल, इस गांव का नाम किब्बर है जो कि हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में स्थित है, जहां आज भी इंटरनेट की सेवा उपलब्ध नहीं है। 14 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई पर बसा यह गांव देखने में बहुत ही ज्यादा खूबसूरत है, लेकिन यहां के लोग आज भी डिजिटल किसी से भी कनेक्ट नहीं हैं। यहां के बच्चे ऐसी चोटियों पर जाते हैं, जहां मोबाइल सिग्नल आता है, ताकि वह होमवर्क डाउनलोड कर सके और अपने असाइनमेंट को भेज सके।

लोगों को होती है परेशानी

आज के समय में शिक्षा से लेकर पढ़ाई-लिखाई सब कुछ ऑनलाइन हो चुका है। ऐसे में यहां के लोगों को और छात्रों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऑनलाइन क्लास करने या फिर कोई फॉर्म भरने के लिए इन्हें कई किलोमीटर की चढ़ाई करनी पड़ती है। लोग यहां पर घूमने आते हैं, लेकिन यहां के लोगों के लिए इंटरनेट की कमी इन्हें कई वर्ष पीछे धकेल दी है। यहां ना कोई व्हाट्सएप चलाता है और ना ही इंस्टाग्राम की रील देखता है।

इंटरनेट की दुनिया से बेखबर

इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन की 2013 की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में लगभग 2.6 बिलियन लोग अभी भी ऐसे हैं, जो इंटरनेट की सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। अक्सर ऐसे लोग पहाड़, रेगिस्तान या फिर घने जंगलों में बसे हैं। ऐसी जगह पर स्मार्टफोन भी बहुत ही काम देखने को मिलते हैं। एक तरफ जहां दुनिया तेजी से डिजिटाइजेशन हो रही है, ऐसे में इस गांव के लोग अभी भी इंटरनेट की दुनिया से बेखबर है।

रायपुर, रविवार 1 जून 2025 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी | वर्ष : 23, अंक : 314 | पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य: 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रतिबंधित इलाकों में भी जर्दायुक्त गुटखा की बिक्री

जर्दायुक्त गुटखा पर वैसे तो पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन प्रशासन ने जिले के सभी शासकीय कार्यालयों के परिसर में जर्दायुक्त गुटखा के अलावा तंबाकू की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा रखा है। इन कार्यालयों में कलेक्टोरेट परिसर से लेकर, नगर निगम परिसर, रेलवे स्टेशन परिसर, अंबेडकर अस्पताल, स्कूल-कॉलेजों के आसपास जैसे अन्य विभागों के कार्यालय भी शामिल है। प्रतिबंधित क्षेत्र होने के बाद भी इन सभी स्थानों के परिसर या आसपास खुलेआम प्रतिबंधित जर्दायुक्त गुटखा के अलावा तंबाकू की बिक्री हो रही है।

- राजधानी के शहरी इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकूयुक्त गुटखे पर प्रतिबंध का असर नहीं
- स्कूल-कॉलेजों के आसपास भी बेखौफ बिक्री किया जा रहा
- करीब 20 पान दुकानों में हरिभूमि टीम की पड़ताल

नामभर का प्रतिबंध, पान दुकान-ठेले और किराना स्टोर्स में कहीं खुलेआम तो कहीं चोरी-छिपे बिक रहा जर्दायुक्त गुटखा

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जर्दायुक्त गुटखा पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद जर्दायुक्त गुटखा बनाने वाली कंपनियां थोक बाजार के माध्यम से चिल्हर बाजार में इसकी सप्लाई कर हर महीने करोड़ों रुपए का कारोबार कर रही है। इधर प्रतिबंध होने के बाद भी जर्दायुक्त गुटखा पान दुकानों एवं ठेलों में कहीं चोरी-छिपे तो कहीं खुलेआम बेचा जा रहा है। हरिभूमि की टीम ने विश्व तंबाकू दिवस पर शनिवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में संचालित करीब 20 पान दुकान-ठेलों में जर्दायुक्त गुटखा बिक रहा है या नहीं, इसकी पड़ताल की। इसके लिए कई दुकानों पर ग्राहक बनकर जर्दायुक्त गुटखा भी खरीदा। इस तरह पड़ताल से यह खुलासा हुआ कि जर्दायुक्त गुटखा की बिक्री पर लगे प्रतिबंध का बाजार में कोई असर नहीं है, इस वजह से दुकानदार बेखौफ जर्दायुक्त गुटखा बेच रहे हैं।

केस 01 कोटा स्थित भारत माता चौक के पास एक पान दुकान से जर्दायुक्त पानराज गुटखा की मांग की। इस दुकान में बैठे युवक ने झट से दुकान में टंगा पानराज गुटखा निकालकर दे दिया। इस दुकान में सितार, पान पसंद जर्दायुक्त गुटखा भी बिक्री के लिए रखा हुआ था।

केस 02 मंडी गेट पंडरी चौक के पास स्थित पान दुकान से जर्दायुक्त सितार गुटखा की मांग की। इस दुकान में बैठे व्यक्ति ने भी तत्काल पैसे लेकर गुटखा दे दिया। यहां के दुकानदार ने अपना और दुकान का नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जर्दायुक्त गुटखा पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन यह बंद हुआ नहीं है। कंपनियां गुटखा बना रही हैं, तभी तो बाजार में यह बिक रहा है।

केस 03 आमापारा क्षेत्र के बजरंग नगर चौक के पास स्थित पान ठेले में भी जर्दायुक्त गुटखा आसानी से मिल गया। इस दुकान से सितार नामक गुटखा खरीदा।

केस 04 शहर में ऐसे भी गिने-चुने पान दुकान संचालक है, जो प्रतिबंधित गुटखा नहीं बेचते हैं। इनमें सिद्धार्थ चौक स्थित पान ठेले पर जब जर्दायुक्त गुटखा की मांग की गई तो दुकानदार ने कहा कि वह जर्दायुक्त गुटखा नहीं बेचता है। इसके लिए दुकानदार ने अपने पान ठेले पर एक सूचना बोर्ड भी रखा है, ताकि उसे पढ़कर लोग जर्दायुक्त गुटखा की मांग न करें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एअर इंडिया की बेंगलुरु से काठमांडू उड़ान

बेंगलुरु। एअर इंडिया एक्सप्रेस एक जून से बेंगलुरु और काठमांडू के बीच रोजाना सीधी उड़ानें शुरू करेगी। बैंकॉक और फुकेत जैसे कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय स्थलों में हमारे हालिया विस्तार की अगली कड़ी के तहत यह नया मार्ग निर्धारित किया गया है।

कर्नाटक ने तंबाकू खरीदने की उम्र अब 21 वर्ष

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने एक कानून अधिसूचित किया है, जिसके तहत हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाया गया है। तंबाकू उत्पाद खरीदने की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष की गई है। इसके साथ ही, उल्लंघन के लिए जुर्माने में बढ़ोतरी की गई है।

जहां देश का एक हिस्सा इस वक्त गर्मी की मार झेल रहा है, तो वहीं पूर्वोत्तर में बारिश कहर बनकर बरपी है। मिजोरम, असम और मणिपुर से लेकर त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश तक चारों ओर तबाही का मंजर है। अब तक इन घटनाओं में 19 लोगों की मौत की खबर है। इस बीच, नेपाल के पानी से बिहार में बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इधर, छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री के साथ प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश का दौर जारी है।

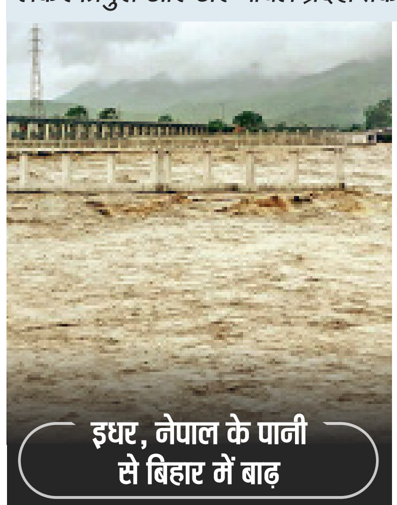

इधर, नेपाल के पानी से बिहार में बाढ़

नेपाल में हुई भारी बारिश से किशनगंज जिले में कनकई, बूढ़ी कनकई और मेची नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी किनारे बसे कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है, जिससे जलभराव की समस्या बढ़ गई है। कनकई नदी पर बने कई चचरी पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इससे स्थानीय लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है और कई गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। दिघलबैंक, टेढ़ागाछ और तेलीभीट्टा इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यहां के किसानों की लाखों की मक्का और सब्जी की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ के कारण कई खेत जलमग्न हो गए हैं।

भूस्खलन और बारिश से पूर्वोत्तर में तबाही

अब तक 19 की मौत

- अरुणाचल, मिजोरम, असम से लेकर त्रिपुरा तक तबाही का मंजर
- अरुणाचल में वाहन बहने से दो परिवार के सात सदस्यों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/ईटानगर/गुवाहाटी

पूर्वोत्तर के राज्यों में कई घर बारिश में तबाह हो गए हैं, सड़कें बह गई हैं और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण कई जिलों में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गई। असम में पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं मिजोरम में मकान और होटल ढहने की खबर है। पुलिस ने बताया कि पूर्वी कामेंग जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 13 के बाना-सेप्पा खंड पर शुक्रवार देर रात भूस्खलन के कारण एक वाहन के सड़क से बह जाने से दो परिवारों के सात सदस्यों की मौत हो गई। पूर्वी कामेंग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कामदम सिकोम ने बताया कि वाहन बिचोम जिले के बाना से सेप्पा जा रहा था, तभी भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में आकर वाहन गहरी खाई में जा गिरा। उन्होंने ▶▶| शेष पेज 5 पर

असम में भूस्खलन

असम में पिछले 24 घंटों में हुए भूस्खलन में पांच लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण छह जिलों में बाढ़ आ गई है जिससे 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि सभी पांच लोगों की मौत कामरूप महानगर जिले में हुई हैं।

रायपुर में जमकर बारिश येलो अलर्ट

रायपुर में शनिवार के सुबह जोरदार बारिश हुई। दुर्ग में भी बारिश के बाद मौसम ठंडा हो गया है। मौसम विभाग का मानना है कि बस्तर संभाग के सभी जिलों में कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। वहीं बाकी बचे जिलों के एक-दो जगहों पर बारिश की अनुमान है। मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

केदारनाथ धाम जा रहे भिलाई के युवक की मौत

- पांच दोस्त निकले थे दर्शन के लिए, एक गंभीर

मृतक

भिलाई। पांच दोस्त मिलकर केदारनाथ धाम जाने के लिए रविवार को निकले थे, लेकिन शुक्रवार की रात परिजनों को सूचना मिली की काकड़ागाड़ के पहाड़ का पत्थर वाहन में अचानक गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में युवक की मौत हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल है। खबर लगने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के मुताबिक आजाद चौक रुआबांधा भिलाई निवासी मंयक उर्फ शैलेष यादव (23), लक्ष्मण यादव, ओंकार सिंह राजपुत, दीपेश यादव और चित्रांश साहू मिलकर दुर्ग रेलवे स्टेशन से दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचते ही मैक्स वाहन केदरनाथ जाने के लिए किराए में लिया। शुक्रवार की शाम गौरीकुंड हाईवे पर रुद्र प्रयाग शहर से 30 किलोमीटर दूरी पर काकड़ागाड़ में अचानक पहाड़ी से यात्रियों के मैक्स वाहन पर पत्थर आ गिर गया। जिसमें चालक समेत 6 यात्री ▶▶| शेष पेज 5 पर

रेस्क्यू कर शव व घायलों को निकाला बाहर

घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू चलाकर वाहन में फंसे सभी को बाहर निकाला। घायलों को अगस्त्यमुनि स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए पहुंचाया गया। जहां घायलों का उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर उसे पीएम के लिए जिला अस्पताल रवाना किया गया। उसके बाद ही शव को भिलाई के लिए रवाना किया जाएगा। पहाड़ का पत्थर इतना स्पीड से ऊपर से नीचे गिरा कि वाहन चालक को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

मुआवजा के लिए झूठी रिपोर्ट, डेढ़ साल बाद शव का फिर से हुआ पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सर्पदंश का फर्जी पीएम रिपोर्ट बनाकर मुआवजा लेने का मामला सामने आ चुका है। इस मामले में 8 मई को पुलिस ने वकील, डॉक्टर और मृतक के परिजनों समेत 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। शनिवार को बिल्हा पुलिस ने एसडीएम और तहसीलदार की उपस्थित शव को निकाला और सिम्स में दोबारा पीएम किया गया है। 8 मई को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि शिवकुमार घृतलहरे उम्र 36 वर्ष ने कर्ज से परेशान ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

8 मई को पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, सर्पदंश से जुड़ी खबरों को हरिभूमि ने किया था प्रकाशित

मामले की विवेचना जारी

दो दिनों के प्रयास के बाद शनिवार को शव निकाला गया है, सिम्स में परिजन व अधिकारियों की उपस्थिति में पीएम कराया गया है। मामले की विवेचना जारी है, फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।
- उमेश साहू, टीआई, बिल्हा

ऐसे हुआ खुलासा : खास बात यह है कि पंचनामा करने वाले पुलिस अधिकारी ने शव निरीक्षण के दौरान पैर में सांप काटने का निशान नहीं पाया। इसके बाद अधिकारी ने सिम्स में इलाज कर रहे डाक्टर से जानकारी ली, जिसमें ▶▶| शेष पेज 5 पर

सीडीएस चौहान बोले-

लड़ाकू विमान का गिरना महत्वपूर्ण बात नहीं, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिंगापुर/नई दिल्ली

जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान की बात स्वीकार की

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान के बाद, भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया और पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया।

उन्होंने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को भी 'सरासर गलत' बताया। एक साक्षात्कार में चौहान ने कहा कि प्रारंभिक नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद भारत ने अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाए और पाकिस्तान में सटीक हमले किए। हालांकि, सीडीएस ने नुकसान का ब्योरा देने से इंकार कर दिया।

पाकिस्तान का दावा गलत

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान छह भारतीय विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे के बारे में पूछे जाने पर जनरल चौहान ने कहा, यह पूरी तरह से गलत है। भारतीय वायुसेना के वायु संचालन महानिदेशक, एयर मार्शल ए के भारती ने स्वीकार किया था कि नुकसान लड़ाई का एक हिस्सा है।उन्होंने यह भी कहा था कि भारतीय वायुसेना के सभी पायलट सुरक्षित घर लौट आए हैं।

इधर, कांग्रेस ने विशेष सत्र बुलाने की मांग की

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद के विशेष सत्र की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल पूछना चाहते है। कांग्रेस नेता ने ऑपरेशन सिंदूर की जांच की जांच उठाई और कहा कि कारगिल की तरह रिव्यू कमेटी बने। खरगे ने कहा कि सीडीएस के बयान के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना जरूरी है। कांग्रेस नेता खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखे एक लंबे पोस्ट में संसद के विशेष सत्र की मांग की।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के अचानक स्थगन के बाद से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े हुए हैं। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के लिए किए गए ऑपरेशन सिंदूर समेत भारत के सभी कदमों को वैश्विक समर्थन नहीं मिला, जिसकी भारत को अपेक्षा थी। यह अपेक्षा इसलिए थी कि लंबे समय से विश्व में अनेक देशों के मित्र होने की कूटनीतिक आभा रची जा रही थी। चिर मित्र रूस ने भी तटस्थ रहकर चौंकाया। जब ऑपरेशन सिंदूर सफलता से चल रहा था, तो भारत ट्रंप की ट्रेड ब्लैकमेलिंग का शिकार क्यों हुआ? भारत व पाक के बीच पूर्ण संघर्षविराम का पहले ऐलान कर अमेरिकी राष्ट्रपति ने विश्व स्तर पर भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को नुकसान पहुंचाया। इससे विश्व में भारत के लिए एक कूटनीतिक वैक्यूम पैदा हो गया। सरकार ने सर्वदलीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजा, जिसने आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट किया, पाकिस्तान की आतंकपरस्ती को बेनकाब किया और कूटनीतिक करेक्शन से अमेरिकी झूठ का पर्दाफाश भी किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का पैगाम दिया है। इस सर्वदलीय विदेश यात्रा के मकसद का विश्लेषण करता आजकल का ताजा अंक...

आतंकवाद के खिलाफ एक्शन का पैगाम

सांसदों के विदेश दौरे का विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

> **भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया। भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। भारतीय संसद द्वारा एकमत से पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पाक अधिकृत कश्मीर पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है।**

भारत पाक सैन्य संघर्ष के उपरांत कुछ यक्ष प्रश्न उठ खड़े हुए हैं? पहला यक्ष प्रश्न है कि भारत का एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में आखिरकार क्यों भेजा गया? दूसरा यक्ष प्रश्न है आखिरकार मात्र चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान से भारत को युद्ध विराम क्यों करना पड़ गया? तीसरा यक्ष प्रश्न यह है कि क्या भारत की सैन्य तैयारियों में पाकिस्तान को निर्णायक तौर पर पराजित करने के लिए अत्यंत कमी महसूस की गई? भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों क्रमशः बीजेपी, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी, जदयू, बीजेडी, सीपीएम, शिवसेना, और आप पार्टी का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया।

जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध पैगाम

भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का सैन्य प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान हुकूमत एवं सेना की कयादत में संचालित आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करने के लिए भारत ने 7 मई से 10 मई तक सैन्य ऑपरेशन सिंदूर अंजाम दिया। सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिकी सरकार के प्रमुख लीडरों से मुलाकात की गई। भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख चेहरे रहे, बीजेपी के विजयंत पांडा, रवि शंकर प्रसाद, अपराजिता सारंगी, अनुराग ठाकुर, जदयू के संजय कुमार झा, कांग्रेस के सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद, श्रीकांत एकनाथ शिंदे और एनसीपी की सुप्रिया सुले, डीएमके की सांसद कनिमोझी, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी। सांसद बैजयंत जय पांडा सऊदी अरब के शेख लीडरान से मुखातिब हुए। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने ग्रीस की लीडरशिप से मुलाकात की। दक्षिण अफ्रीका एवं अन्य अफ्रीकी देशों के लीडरों से मिलने पहुंची नेशनल कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सूले। इटली की राजधानी रोम और फ्रांस की राजधानी पेरिस में शीर्ष लीडरों से मुलाकात की सांसद रवि शंकर प्रसाद ने। मनीष तिवारी ने मुलाकात की मध्य एशिया और यूरोप के लीडरों से। सलमान खुर्शीद ने मुलाकात की दक्षिण एशिया के देशों के लीडरों से विशेष कर दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर के लीडरों से। अमेरिका तथा लैटिन अमेरिकन के देशों का कूटनीतिक दौरा अंजाम दिया कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने। यक्ष प्रश्न है कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आखिरकार ऐसा कूटनीतिक निर्णय क्यों लिया गया कि भारतीय सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों में भेजा गया? जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अंजाम दी गई अपनी शानदार सैन्य कार्यवाही के विषय में विश्व भर को अवगत कराने की भारत सरकार को आखिरकार क्यों जरूरत पड़ गई? आखिरकार संसदीय प्रतिनिधिमंडल के केवल 10 दिनों के कूटनीतिक दौरे की वास्तविक उपलब्धि क्या रहेगी?

प्रमुख राष्ट्रों से समर्थन की उम्मीद

दरअसल भारत को विश्व भर के प्रमुख राष्ट्रों से पाकिस्तान के विरुद्ध जारी सैन्य संघर्ष के दौरान जबरदस्त समर्थन की उम्मीद थी। विश्व पटल पर वैश्विक जिहाद आतंकवाद की सबसे बड़ी निर्माणशाला और पनाहगाह कहे जाने वाले पाकिस्तान को अपना प्रबल समर्थन प्रदान करने के लिए तुर्किये, अजरबैजान, चीन और अमेरिका स्पष्ट तौर पर सामने आ गए। भारत का प्रबल समर्थन करने में इस दफा रूस द्वारा कदाचित कोई गहन दिलचस्पी प्रकट नहीं की गई। सन् 1947 से सदैव ही कश्मीर विवाद के प्रश्न पर भारत का एक तरफा सक्रिय समर्थन करने वाले रूस ने भी इस दफा दोनों संघर्षरत पक्षों के मध्य सुलह कराने के लिए केवल अपनी मध्यस्थता प्रस्तुत कर दी। पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवादियों के द्वारा कम से कम 60 दफा गहरे जख्म झेलने वाला अमेरिका भी पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा नजर आया। चीन द्वारा तो खुलकर सार्वभौमिकता के नाम पर पाकिस्तान का प्रबल समर्थन किया गया। पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लिए विश्व पटल पर बहुत बड़ा कूटनीतिक झटका रहा। संभवतः यही सबसे बड़ा कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में भेजा, ताकि भारत के पक्ष को कूटनीतिक तौर पर विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। यह जरूरी था या नहीं, यह अलग विषय है और इसके बाद क्या भारत अपना कूटनीतिक मकसद पूरा कर पाया कि नहीं, इसका भी पता बाद में ही चलेगा।

इंदिरा गांधी ने भी भेजा था प्रतिनिधिमंडल

क्वॉड्रिलैटरल डायलॉग (क्वाड) हालांकि कोई रणनीतिक मोर्चा नहीं है, किंतु क्वाड में चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध भारत एक बड़ी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। दुर्भाग्य से क्वाड द्वारा भी सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के प्रति नैतिक समर्थन तक व्यक्त नहीं किया गया। जब सन 1971 में पाकिस्तान और भारत के मध्य एक बड़ी निर्णायक बांग्लादेश जंग हुई थी, उस ऐतिहासिक दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी और सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एक सर्वदलीय कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए विश्व के अनेक प्रमुख देशों में भेजा गया था। आजादी हासिल होने के तत्पश्चात भारतीय संसद द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय पार्लियामेंट्री संगठनों में अपनी सक्रिय भागीदारी जारी रखी गई है। विश्व पटल पर अपनी कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाने के लिए भारत को निरंतर प्रयास करना होगा। खासतौर पर अपने परंपरागत रणनीतिक साझेदार रूस को अपने पक्ष में लाने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। जब भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन की कयादत कर रहा था और और शीत युद्ध के दौर में किसी सैन्य गुट में शामिल नहीं था, तब भी सोवियत संघ रणनीतिक रूप से भारत के साथ दमदार ढंग से खड़ा था। फिर आखिर कहां कूटनीति चूक हो गई है कि रूस पाकिस्तान को अपना राजनीतिक पार्टनर करार देने लगा है। क्या यह रक्षा बाजार की चाहत है?

आतंकवाद के संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना जरूरी

दूसरा यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार ऐसी कौन सी कूटनीतिक मजबूरी थी कि भारत को चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद ही पाकिस्तान से युद्ध विराम करने पर विवश होना पड़ा? भारत जिहादी आतंकवाद के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति का ऐलान करता रहा है। मात्र चार दिनों की सैन्य कार्रवाई से आतंकवाद को पाकिस्तान की सरजमीं से समाप्त करना नामुमकिन है। आतंकवाद को निर्णायक तौर पर समाप्त करने के लिए पाकिस्तान की फौज को निर्णायक तौर पर सन् 1971 की जंग की तरह पुनः एक दफा और पराजित करना होगा। पाकिस्तान में जिहादी आतंकवाद दरअसल पाकिस्तानी फौज के हुक्मरानों और इनके तहत काम करने वाली आईएसआई के संरक्षण और परिपोषण द्वारा पल्लवित होता रहा है। पाकिस्तान की सरजमीं से जिहादी आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए सिर्फ आतंकवादियों को कत्ल करना ही काफी नहीं है वरन संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना अति आवश्यक है जोकि जिहादी आतंकवादियों का निर्माण करता है और उनको संचालित करता है।

भारत और पाकिस्तान की तरफ से आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम का ऐलान किया जाता, उससे कहीं पहले अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान जारी कर दिया और दावा पेश कर दिया कि उनकी हुकूमत ने दोनों मुल्कों में मध्यस्थता अंजाम दी। अमेरिकी कूटनीति के दबाव में दोनों देश तुरंत और पूर्णतः संघर्ष विराम करने के लिए सहमत हो गए। दूसरी ओर भारत सरकार का कहना है कि युद्ध विराम पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) की पहल पर अंजाम दिया गया। भारत सरकार द्वारा डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम कराने के कूटनीतिक दावे का खंडन तो कदाचित नहीं किया गया, लेकिन प्रेसिडेंट ट्रंप के दावे की बाकायदा पुष्टि भी नहीं की गई। ट्रंप द्वारा भारत पर थोपी गई युद्ध विराम की कूटनीतिक पहल से भारत सरकार की स्वतंत्र विदेश नीति पर क्या एक प्रश्न चिन्ह खड़ा नहीं हो गया है? तीसरा यक्ष प्रश्न है कि क्या आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की कार्य नीति का ऐलान करने वाली भारत सरकार के पास पाकिस्तान फौज को निर्णायक तौर पर परास्त करने के लिए पर्याप्त सैन्य शक्ति विद्यमान नहीं थी? एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने महत्वपूर्ण डिफेंस सिस्टम खरीद-फरोख्त और उसकी डिलीवरी में हो रहे अतिशय विलंब पर वायु सेना में हो रही गहरी चिंता का इज़हार किया है। उन्होंने किसी भी डिफेंस प्रोजेक्ट को वक्त से पूरा न होने का भी उल्लेख किया और घरेलू डिफेंस डील पर भी कुछ बातें पेश की और कहा कि भारतीय वायुसेना हार्डवेयर के अभाव से लंबे वक्त से जूझ रही है। सेना के पास अत्याधुनिक स्टेल्थ फाइटर विमान विद्यमान नहीं है।

रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाना आवश्यक

अनेक रक्षा विशेषज्ञों का कथन है कि भारतीय सैन्य रक्षा सामग्री की खरीदारी और डिलीवरी में एक लंबा अंतराल होने के कारण भारतीय सेना में हताशा निरंतर गति से बढ़ रही है। एयर चीफ मार्शल का बयान इस तथ्य को प्रकट करता है कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण और 7 मई को पाकिस्तान के अंदर भारतीय वायु सेना द्वारा अंजाम दिए गए हवाई हमलों के तत्पश्चात दोनों देश युद्ध के लिए आमने-सामने आ गए थे। 10 मई को युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों ओर से ड्रोन हमले और सीमा पर जबरदस्त गोलाबारी हुई। इस चार दिवसीय सैन्य झड़प के बाद भारत में रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाने की चर्चा ने बहुत जोर पकड़ लिया है। रक्षा विशेषज्ञों का विचार है कि भारत की रक्षा तैयारियों में और अधिक तेजी लाने की जरूरत के संदर्भ में एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के बयान को स्पष्ट तौर पर समझा जाना चाहिए। सन् 1993 में संसद द्वारा पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पीओके को पाक से लेना है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर भारत को अपनी सैन्य तैयारी अत्यंत तेज कर देनी चाहिए।

कूटनीतिक मकसद साधने की पहल यात्रा

प्रतिनिधिमंडल

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समय सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सात समूहों में दुनिया के अलग-अलग 33 देशों की यात्राओं पर है। इनके साथ विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने और अनुभवी राजनयिक भी हैं। स्वाभाविक ही आवश्यकता अनुसार विदेश मंत्रालय की ओर से भी प्रतिनिधि हैं और यात्रा से संबंधित देशों का दूतावास भी पूरी तरह इनके साथ लगा है। 23 से 3 जून तक प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर रहेगा। सामान्य तौर पर इसका लक्ष्य यही बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके पूर्व पहलगाम हमले को केन्द्र में रखते हुए पाकिस्तान की दुर्नीतियों, संपूर्ण आतंकवादी विषयों पर भारत का पक्ष सविस्तार रखने के साथ उन्हें अपने पक्ष से सहमत कराने की भी कोशिश होगी।

हालांकि विपक्ष के सांसद इसमें शामिल हैं किंतु जिस तरह की आवाजें उठीं वह इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के संदर्भ में भी भारत की अपरिहार्य आंतरिक राजनीतिक एकता के विपरीत था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर इसे प्रधानमंत्री की विदेश नीति और कूटनीति की सफलता का प्रतिबिंब बता दिया। उन्होंने कहा कि आज उन्हें मजबूर होकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस ,तृणमूल आदि पार्टियों की समस्या यह भी थी कि हमसे बिना पूछे हमारे सांसदों को क्यों शामिल किया गया और जिन्हें हम नहीं चाहते थे वे उसमें क्यों हैं? इस विषय पर दो राय हो सकती हैं पर सरकार को भी यह अधिकार होना चाहिए कि ऐसे मामलों में सूक्ष्मता से योग्यता के आधार पर सांसदों का चयन कर उन्हें विदेश भेजा जाए और चूंकि सभी सांसद उनकी पार्टियों के ही हैं इसलिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में अत्यंत कठिन समय में भी ऐसे राजनीतिक विवेक की अपेक्षा हम नहीं कर सकते। बहरहाल इस विषय को छोड़ आगे बढ़ते हैं।

सूक्ष्मता से किया देशों का चयन

यह इतिहास का अब तक का सबसे व्यापक और अभूतपूर्व प्रतिनिधिमंडल है। साफ है कि इसके उद्देश्य आम समझ से ज्यादा व्यापक होंगे और यह पूरी तरह इस समय स्पष्ट भी नहीं हो सकता। इसकी योजना कितनी सूक्ष्मता और व्यापक विचार विमर्श के बाद बनाई गई है, यह इससे पता चलती है कि पाकिस्तान की मदद करने वाले तीन देश तुर्किया, चीन और अज़रबैजान इसमें शामिल नहीं हैं। यानी उन देशों पर समय नष्ट क्यों करें जो हमारी बात न सुनेंगे न समझेंगे। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं चीन के अलावा सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्यों के प्रमुखों से बातचीत की थी। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर भी 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान को छोड़कर नौ के विदेश मंत्रियों से बातचीत कर चुके हैं।

ओआईसी के देशों का भी दौरा

भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी यानी इस्लामिक सम्मेलन संगठन के भी कई देशों की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री पहलगाम हमले के समय सऊदी अरब की यात्रा पर थे और वहां से बीच में उन्हें वापस आना पड़ा। सऊदी अरब पाकिस्तान का भी मित्र

देश है लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही थी। ओआईसी देश जम्मू कश्मीर पर बीच-बीच में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कर देते हैं। इस संगठन ने ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध भी बयान जारी किया था। तो यह आवश्यक है कि उनसे भी संपर्क करके अपनी बात बताई जाए।

यह सोच ही निराधार है कि ऑपरेशन सिंदूर विषय पर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत का पक्ष कमजोर है इसलिए हमें प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच, उसके पहले तथा बाद में भी हमारी कूटनीति एक क्षण के लिए रुकी नहीं। संपूर्ण विश्व में विदेश मंत्री, विदेश सचिव, अन्य अधिकारी व स्वयं प्रधानमंत्री बातचीत करते रहे। विश्व के किसी प्रमुख देश ने भारत की कार्रवाई का न विरोध किया और न एक प्रतिकूल बयान दिया। विश्व के प्रमुख देशों का चरित्र है कि जब आतंकवादी हमले होंगे, वे इसके विरुद्ध बयान जारी करेंगे, साथ होने की भी घोषणा करेंगे किंतु जब आप साहस के साथ पराक्रम और पुरुषार्थ दिखाते हुए सीमा पार कर कार्रवाई करेंगे तो कोई सक्रिय साथ देने नहीं आएगा। कुछ देशों की छाती फटेगी और युद्ध रोकिए, युद्ध रोकिए की आवाज उठेगी। वही हुआ है। भारत का संकल्प अटूट है । प्रधानमंत्री ने स्वयं ऑपरेशन सिंदूर को अखंड प्रतिज्ञा कहा है।

भारत की घोषणा दो टूक है कि आतंकवादी कार्रवाई युद्ध मानी जाएगी, पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा, न बातचीत और उसने आतंकवाद नहीं रोका तथा सैन्य दुस्साहस किया तो हम इससे ज्यादा शक्ति से कार्रवाई करेंगे। पाकिस्तान इस्लाम या मजहब के नाम पर भी दुनिया में गलतफहमी न पैदा कर सके न कोई देश या वैश्विक संगठन आरोप लगाये कि भारत सभी को नजरअंदाज कर स्वयं ताकत यानी दादागिरी की तरह कार्रवाई कर रहा है। व्यापक प्रतिनिधिमंडल विश्व के विस्तृत क्षेत्रों में जाने का अर्थ ही है कि भारत भविष्य में आतंकवाद को जड़ मूल से नष्ट करने तक पाकिस्तान के विरुद्ध लंबी सतत कार्रवाई की तैयारी कर चुका है। इस यात्रा के उद्देश्यों को समझने की दृष्टि से कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा न्यूयॉर्क में दिए गए विस्तृत वक्तव्य के कुछ बातों का उल्लेख प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए हम अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए अकेले रह सकते हैं लेकिन पाकिस्तान भारत के नियंत्रण वाले क्षेत्र को लेने की लालसा रखता है और चूंकि युद्ध से नहीं जीत सकता तो आतंकवाद के द्वारा कोशिश कर रहा है। इस तरह किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिनिधिमंडल भेजने के पीछे भारत की वर्तमान तथा भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों के लिए व्यापक आधार बनाना है जिसमें पाकिस्तान को अलग-अलग करने की भी स्थिति पैदा हो। प्रधानमंत्री ने बीकानेर के भाषण में साफ रहा है कि आतंकवादी हमले हुए तो पाकिस्तान की सेवा और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत का उद्देश्य सभी देशों में कार्यपालिका व विधायिका के सदस्यों, बड़े थिंक टैंकों, प्रभावशाली विदेश नीति विशेषज्ञों, मीडिया, जनता और राजनीतिक विचारों के विभिन्न वर्गों से बात कर उनको सहमत कराने के लिए पूरी घटना के आगे-पीछे का विवरण और वैश्विक आतंकवाद की स्थिति से अवगत कराते हुए बताना है कि आतंकवाद विश्व की साझी समस्या है और मिलकर इससे लड़ना होगा।

सीमा पर मूल समस्या बरकरार

आप न्यूयॉर्क में यह बोलते हैं तो लोगों की समझ में आता है। जिन देशों ने आतंकवादी हमले झेले, उनकी टीस कुरेदकर स्थिति से अवगत कराने की रणनीति है। अगर विश्व मान रहा है कि भारत पाकिस्तान की सीमा पर शांति है तो उसे यह भी याद दिलाना होगा कि मूल समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान मजहब आधारित आतंकवाद के माध्यम से भारत को तोड़ना चाहता है।

अपनी ताकत का एहसास कराए भारत

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरे पर है। इस दौरे पर कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठाया गया है। इस दौरे का मकसद आतंकवादी गतिविधियों और पाकिस्तान की नीतियों के विरुद्ध भारत की एकजुटता को प्रदर्शित करना भर ही नहीं, अपितु पाकिस्तान को वैश्विक राजनीति के पटल पर अलग-थलग करना और उसके समर्थकों को भी बेनकाब करना है। साथ ही दुनिया को यह बताना भी है कि पाकिस्तान की रीति-नीति और आतंकियों को समर्थन और संरक्षण न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि दुनिया के लिए खतरा है। साथ ही, इन समूहों की 33 देशों की यात्रा का मकसद यह संदेश देना भी है कि भारत अब अपने राष्ट्रीय हितों से किसी प्रकार का समझौता या खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेगा। मतलब साफ है, भारत के सामने चुनौती दुनिया को यह बताने की है कि चूंकि पाकिस्तान भारत केंद्रित आतंकवाद को संरक्षण एवं बढ़ावा देने में लगातार जुटा हुआ है, इसलिए आतंकवादी ठिकानों को खुद नष्ट करने के अलावा हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था या है। साफ है,भारत का लक्ष्य न केवल पाकिस्तान को बेनकाब करना है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाना और अपनी कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना भी है। इन 33 देशों में से अधिकांश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)के वर्तमान या भविष्य के सदस्य हैं, या फिर भारत के साथ उनके आर्थिक,रक्षा,और सांस्कृतिक संबंध हैं।

आतंक का गढ़ है पाकिस्तान

उदाहरण के लिए,गुयाना में भारतीय समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति है और वह यूएनएससी का अस्थायी सदस्य भी है। इस तरह देखा जाए तो भारत ने इन 33 देशों का चयन इसलिए किया क्योंकि ये देश वैश्विक और क्षेत्रीय मंचों पर प्रभावशाली हैं और यूएनएससी के सदस्य हैं या भारत के रणनीतिक साझेदार हैं। पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है,यह कोई नई सूचना नहीं है। दुनिया इस तथ्य से परिचित है कि गुजरे तीन-चार दशकों में दुनियाभर में हुए बहुत से आतंकवादी हमलों की साजिश पाकिस्तान में रची गई या पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने उन्हें अंजाम दिया। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों ने नीतिगत रूप से आतंकवाद को प्रश्रय दिया है, जिसमें अक्सर वहां की सरकारों की सहमति भी रही है। यह जानकारी भी तमाम देशों के पास मौजूद है। इसके बावजूद अफसोजनक सूरत यह है कि विश्व के शक्तिशाली देश पाकिस्तान को हर तरह की मदद देते रहे हैं। उनमें चीन और अमेरिका उसे आधुनिक हथियार भी देते रहे हैं।

रूस की तटस्थता ने चौंकाया

हाल के वर्षों में हथियार और एक हद तक कूटनीतिक समर्थन देने देने वाले देशों में रूस भी शामिल हो गया है। अमेरिका की जो भी नीति हो,

उसमें बाकी पश्चिमी देशों का सहज समर्थन रहता है। बदले विश्व समीकरणों के बीच पाकिस्तान और चीन के बीच सैन्य अंतर्संबंध और सहयोग तेजी से बढ़े हैं। उधर अपनी रणनीतिक जरूरतों के तहत पाकिस्तान के अमेरिका से सामरिक रिश्ते आज भी बने हुए हैं। इन समीकरणों का ही परिणाम है कि पहलगाम हमले के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव में पाकिस्तान या लश्कर-ए-तैयबा के नाम का उल्लेख नहीं हुआ। वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए ऋण की अगली किस्त जारी की, जो बिना अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के समर्थन के नहीं हो सकता था। इस बीच चीन और तुर्किये जैसे देशों का खुला समर्थन पाकिस्तान के पक्ष में रहा,जबकि रूस तटस्थ बना रहा। उधर खाड़ी के धनी देश मध्यस्थता करने की कोशिश में जुटे रहे, ताकि लड़ाई सीमित रहे।

ये अहम सवाल है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष मजबूती से रखने में कामयाब भी रहे, तो भू-राजनीतिक पहलुओं को कैसे प्रभावित किया जा सकेगा? अतः यह गंभीर आत्म-मंथन का विषय है कि नए बनते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत क्यों अलग पड़ा दिख रहा है? यहां तक कि विकासशील दुनिया में, जिसे आज ग्लोबल साउथ कहा जाता है- भारत के लिए उस तरह का समर्थन और सहानुभूति क्यों नहीं देखने को मिली, जिसे अतीत में सुनिश्चित मानकर चला जाता था? क्यों? हमें नहीं भूलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपनी क्षमता से आगे बढ़कर प्रदर्शन करने का भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। हममें से कुछ लोगों के जेहन में हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी के साथ एक और चर्चित टकराव की यादें अब भी ताजा होंगी।

वह 1971 का साल था। उस युद्ध में, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने वाली किसी भी महाशक्ति की बात तो दूर, संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख नई दिल्ली के प्रति पूरी तरह से वैर-भाव वाला था। इसने भारत को पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को आजाद कराने से रोकने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक खतरनाक नौसैनिक बेड़ा तक भेज दिया था। लेकिन मॉस्को के साथ भारत की मैत्री संधि सुनिश्चित कर रही थी कि सोवियत बेड़े ने अमेरिकियों का पीछा किया और उन्हें रोककर रखा। इतिहास गवाह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को किस साहस और दूरदर्शिता के साथ शिकस्त दी थी। भारत ने एक पेशेवर, संयम बरतने वाला युद्ध लड़ा, जिसमें पाकिस्तानी अवाम पर गर्मजोशी या नफरत भरी बयानबाजी के लिए कोई जगह नहीं थी। असल में भारत को अपने बारे में बताने की जरूरत है कि हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई कर सकते हैं। अच्छा यह होगा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के देशों को बताए कि भारत परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा, भारत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार रोकने की धमकी में नहीं आएगा और भारत को इस बात की परवाह नहीं है कि चीन पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने का दम भर रहा है। अगर भारत ऐसा करता है तो वह विश्व शक्ति वाली बात होगी।

आतंकवाद मिटाने का हो रोडमैप

भारत बता रहा है तो ठीक है लेकिन उसके बाद उसका बरताव विश्व शक्ति वाला होना चाहिए। भारत दुनिया को बताए कि पाकिस्तान में आतंकवाद का ढांचा है, पाकिस्तान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है और भारत अब उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। यह बताने के बाद भारत बिना किसी की परवाह किए कार्रवाई करे और आतंकवाद का ढांचा खत्म करे। अगर यह रोडमैप नहीं है तो इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में घुमाने का कोई मतलब नहीं है।

Reliance
Growth is Life
Jio Mart
समय और पैसे दोनों बचाएं
Quick
Scheduled
Biscuits, Drink & Packaged Foods
Ice Cream & Frozen
Chips & Namkeens
Biscuits & Cookies
Chocolates &...
Quick फ्री होम डिलीवरी
लो प्राइस गारंटी
जीरो एक्स्ट्रा चार्जेज़
फ्लैट ₹ 100 की छूट*
आपके पहले JioMart ऑर्डर पर
न्यूनतम ₹399 की खरीदारी पर
1 जून से 2 जून तक वैध
कूपन कोड का उपयोग करें
JMNEW100
अभी JioMart पर शॉपिंग करें
प्याज 1 kg
बाजार मूल्य ₹ 30
जियोमार्ट कीमत ₹19
आम बंगनापल्ली 1 kg
बाजार मूल्य ₹ 90
जियोमार्ट कीमत ₹74
सेब रॉयल गाला 1 kg
बाजार मूल्य ₹ 280
जियोमार्ट कीमत ₹239
क्वालिटी वॉल्स पार्टी पैक 700 ml (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 140 या उससे अधिक
फ्लैट 50% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 70 या उससे अधिक
अमूल A+ / ब्रिटानिया / डिलेक्टा / गो चीज़ स्लाइस 400 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 350 या उससे अधिक
जियोमार्ट कीमत ₹199
बचाइए ₹ 151 या उससे अधिक
बिस्किट्स 60 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 35 या उससे अधिक
फ्लैट 50% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 17 या उससे अधिक
टाटा अग्नी लीफ टी 1.5 kg
एमआरपी ₹ 345 या उससे अधिक
बचाइए ₹45
जियोमार्ट कीमत ₹ 300 या उससे अधिक
कोल्ड ड्रिंक्स 750 ml / ज्यूसेस 600 ml (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 40 या उससे अधिक
फ्लैट 25% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 30 या उससे अधिक
किंग्स रिफाइन्ड सोयाबीन तेल 800 g
एमआरपी ₹ 159
जियोमार्ट कीमत ₹119
बचाइए ₹ 40
अमूल प्योर घी 1 L
एमआरपी ₹ 650
जियोमार्ट कीमत ₹575
बचाइए ₹ 75
आशीर्वाद शुद्ध गेहूं का आटा 10 kg
एमआरपी ₹ 510
जियोमार्ट कीमत ₹479
बचाइए ₹ 31
कोलगेट / क्लोजअप / सेंसोडाइन / डाबर रेड टूथपेस्ट 200 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 212 या उससे अधिक
न्यूनतम 33% छूट
लक्स / पियर्स / सिंथॉल / फियामा साबुन 500 g या उससे अधिक (मल्टी पैक) (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 313 या उससे अधिक
न्यूनतम 33% छूट
एरियल / सर्फ एक्सेल / रिन मैटिक लिक्विड डिटर्जेंट 2 L या उससे अधिक / सर्फ एक्सेल ईजी वॉश डिटर्जेंट पाउडर 7 kg (चुनिंदा प्रकार)
एमआरपी ₹ 271 या उससे अधिक
फ्लैट 40% छूट
जियोमार्ट कीमत ₹ 162 या उससे अधिक
होम वन क्लासिक असॉर्टेड कंटेनर सेट (4 / 9 युनिट)
एमआरपी ₹ 99 या उससे अधिक
जियोमार्ट कीमत ₹ 49 या उससे अधिक
*नियम तथा शर्तें लागू। ऑफर स्टॉक खत्म होने तक वैध। सभी ऑफ़र्स को सूचना दिए बिना बदला जा सकता है। प्रोडक्ट्स की दिखाई गई तस्वीरें / फोटोग्राफ्स केवल प्रतिनिधित्व के लिए हैं। सभी प्रोडक्ट्स की एमआरपी में सभी टैक्स शामिल हैं। छूट प्रतिशत को ऑफर मूल्य के लगभग प्रतिशत तक राउंड ऑफ किया गया है। चीज़ ऑफर 1 जून तक वैध है, बाकी सभी ऑफर्स 2 जून 2025 तक चुनिंदा पिन कोड्स में वैध हैं। तेल, घी और बेबी फूड पर कूपन ऑफर लागू नहीं है। कूपन ऑफर को किसी अन्य ऑफर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। सभी विवाद केवल मुंबई में स्थित न्यायालयों के अनन्य क्षेत्राधिकार के अधीन हैं।

उनकी फिल्मों से ज्यादा मेरी... रेड्डी-प्रभास को दिया जवाब

मुंबई। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' की शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है। फिल्म में दीपिका को बतौर लीड संदीप लेना चाहते थे। उन्होंने कहानी भी सुनाई थी। दीपिका को पसंद भी आई और उन्होंने हां भी कर दी थी।

लेकिन पैसों और काम करने की शिफ्ट को लेकर बात नहीं बनी। जिसके बाद से दोनों के बीच कोल्ड वॉर शुरू हो गई है। दीपिका ने हाल ही में एक वीडियों में कहा मैं अपना ट्रैक रिकॉर्ड जानती हूं। मुझे मेरी वैल्यू पता है। मुझे ये भी पता है कि उनकी फिल्में इतना भी अच्छा नहीं कर रही हैं, जितना मेरी फिल्में कर रही हैं। इस वीडियो से के बाद से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि दीपिका ने प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा दोनों को जवाब दे दिया है। हालांकि ये वीडियो कब का है, इसकी जानकारी नहीं आई है। दीपिका ने भी इस वीडियो में किसी का नाम नहीं लिया है। बीते दिनों संदीप ने बिना नाम लिए एक पोस्ट शेयर की थी। इसमें उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म की कहानी लीक की जा रही है। ख़ैर बता दें,'स्पिरिट' संदीप ने दीपिका के जगह तृप्ति डिमरी को साइन कर लिया है।

ये हैं बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फिल्मों की फ्रेंचाइजी

हेराफेरी' ही नहीं, इन कॉमेडी फिल्मों के भी दीवाने हैं दर्शक

मुंबई। काफी समय से 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी चर्चा में है। इसका तीसरे भाग का ऐलान तो काफी पहले हो गया था, लेकिन किसी न किसी वजह से यह टलती जा रही है। 'हेरा फेरी 3' से बाबू भैया उर्फ परेश रावल जब से अलग हुए हैं, तभी से यह विवादों में है। 'हेरा फेरी' की तरह ही बॉलीवुड की 5 ऐसी कॉमेडी फिल्मों की फ्रेंचाइजी हैं, जिन पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया है।

'हाउसफुल'

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया है। इसके 4 भाग आ चुके हैं और चारों को ही दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। 'हाउसफुल' और 'हाउसफुल 2' का निर्देशन साजिद खान ने किया, वहीं 'हाउसफुल 3' और 'हाउसफुल 4' के निर्देशन की कमान फरहाद सामजी ने संभाली। उधर 'हाउसफुल 5' के निर्देशक तरुण मनसुखानी हैं। खास बात यह है कि सभी फिल्मों में 3 सितारे कॉमन हैं, वो हैं अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और चंकी पांडे।

'गोलमाल' और 'फुकरे'

रोहित शेट्टी के निर्देशन वाली 'गोलमाल' कॉमेडी फ्रेंचाइजी की फिल्में भी हंसी-मजाक की गारंटी मानी जाती है। अजय देवगन की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म सीरीज के अब तक 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'गोलमाल 3' और 'गोलमाल अगेन' 4 भाग आ चुके हैं और चारों हिट रहे हैं। उधर साल 2013 में आई फिल्म 'फुकरे' ने दर्शकों को इस कदर हंसाया कि निर्माता ने इसे फ्रेंचाइजी में तब्दील कर दिया। इसके बाद निर्माता 'फुकरे रिटर्न्स' और 'फुकरे 3' लाए।

'वेलकम'

अक्षय कुमार जब फिल्म 'वेलकम' लेकर आए थे तो लोगों ने सिनेमाघरों में खूब ठहाके लगाए थे। 32 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 117 करोड़ रुपये कमाए थे। हालांकि, इसके दूसरे भाग 'वेलकम बैक' में अक्षय नहीं थे। इस फिल्म को 48 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया और इसने 167 करोड़ रुपये की कमाई की। अब 'वेलकम टू द जंगल' से फिर अक्षय की इस फ्रेंचाइजी में वापसी हो रही है।

'धमाल'

कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' की पहली फिल्म साल 2007 में आई थी। संजय दत्त, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी 10 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 50 करोड़ कमाए थे। इसके बाद 'डबल धमाल' साल 2011 में तो 'टोटल धमाल' साल 2019 में रिलीज हुई। पिछली तीनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और अब 'धमाल 4' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है।

'मां' में काजोल की बेटी बनकर छा गईं

मुंबई। अभिनेत्री काजोल पिछली बार फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया था। यह फिल्म बीते साल 25 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आएंगी। इस हॉरर फिल्म का ट्रेलर बीते दिन रिलीज हो गया है। काजोल के साथ इस फिल्म में खीरिन शर्मा नजर आएंगी। उनकी अदाकारी की चारों ओर तारीफ हो रही है। खीरिन फिल्म 'मां' में काजोल की बेटी की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। यह उनके करियर की पहली फिल्म है। बता दें कि खीरिन एक उभरती हुई बाल कलाकार हैं। उन्होंने शेफाली शाह की लोकप्रिय वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' का टीजर जारी

मुंबई। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। इस फिल्म के लिए उन्होंने यशराज फिल्म्स से हाथ मिलाया है। इस फिल्म के जरिए अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे बॉलीवुड में अपना पहला कदम रखने जा रहे हैं। इसमें उनकी जोड़ी अनीत पड्डा के साथ बनी है। अब निर्माताओं ने 'सैयारा' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें अहान और अनीत की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। टीजर के साथ निर्माताओं ने 'सैयारा' के 2 पोस्टर भी साझा किए हैं, जिसमें अहान और अनीत की झलक दिख रही है। दोनों एक-दूजे से इश्क फरमाते दिख रहे हैं। यशराज फिल्म्स ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'कुछ प्रेम कहानियां हमेशा के लिए बनी रहती हैं।' यह फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

'दृश्यम-3' में बनेंगे विजय सलगांवकर

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन इन दिनों फिल्म 'रेड 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आने वाले समय में अजय एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। अब उनकी क्राइम थ्रिलर फ्रैंचाइजी 'दृश्यम' की तीसरी किस्त का ऐलान हो गया है, जिसके निर्देशन की कमान जाने-माने निर्देशक अभिषेक पाठक ने संभाली है। 'दृश्यम 3' की रिलीज तारीख का ऐलान भी हो गया है। अजय और अभिषेक की फिल्म 'दृश्यम 3' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म अगले साल गांधी जयंती के अवसर पर यानी 2 अक्टूबर, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी। अजय बड़े पर्दे पर एक बार फिर विजय सलगांवकर के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

स्मृति ईरानी ने जेड प्लस सुरक्षा में शुरू की 'क्योंकि सास भी... 2' की शूटिंग

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। स्मृति ने शो के पहले सीजन में तुलसी के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी। एक्ट्रेस से नेता बनीं स्मृति लंबे समय बाद एक्टिंग की दुनिया में कमबैक कर रही हैं। उन्होंने जेड प्लस सिक्योरिटी के साथ शूटिंग की। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के नए सीजन की खबरें पिछले कुछ महीनों से चर्चा में हैं, और फैंस बेसब्री से आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे थे। अब स्मृति ईरानी के सेट पर वापस आने से इसके ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार हो रहा है। इंडिया फोरम्स को एक सूत्र ने बताया कि सेट पर सुरक्षा बहुत सख्त है। किसी भी लीक से बचने के लिए मोबाइल फोन को टेप किया जा रहा है और सब कुछ ठीक होने के लिए एक्स्ट्रा सावधानियां बरती जा रही हैं। भारत में सबसे हाई लेवेल की सिक्योरिटी जेड प्लस के साथ, स्मृति की शूटिंग के दौरान कड़ी निगरानी की जा रही है।

'द ट्रेटर्स' का ट्रेलर जारी, रियलिटी शो में नजर आएंगे ये सितारे

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो एक दिलचस्प रियलिटी शो लेकर आ रहा है, जिसका नाम 'द ट्रेटर्स' है। खास बात यह है कि सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर इस शो की मेजबानी करण जौहर करने वाले हैं। 'द ट्रेटर्स' हिट अमेरिकी शो का हिंदी संस्करण है, जिसको अब तक 30 से ज्यादा देशों में 35 से ज्यादा बार रीमेक किया गया है। अब निर्माताओं ने 'द ट्रेटर्स' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो बेहद दमदार है। ***शो में दिखेंगे ये सितारे :*** 'द ट्रेटर्स' में पूरव झा, करण कुंद्रा, हर्ष गुजराल, आशीष विद्यार्थी, अपूर्वा मुखीजा, उर्फी जावेद, जैस्मीन भसीन और लक्ष्मी मांचू जैसे सितारे नजर आएंगे। रफ्तार, एलनाज नोरौजी, निकिता लूथर, अंशुला कपूर, राज कुंद्रा, जानवी गौर, महीप कपूर, जन्नत जुबैर, मुकेश छाबड़ा, सुधांशु पांडे, साहिल सलाथिया और सूफी मोतीवाला भी इसका हिस्सा हैं। 'द ट्रेटर्स' का प्रीमियर 12 जून, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, **भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा, रायपुर, छत्तीसगढ.** 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

आवश्यकता है- अगर सिक्योरिटी को रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के लिए सुरक्षागार्ड, यूनिट सुपरवाइजर, एवं फील्ड सुरक्षा सुपरवाइजर, स्वयं का दो पहिया वाहन अनिवार्य। शीघ्र संपर्क करे- 8340714355, 7209137999.(RO-1902)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ जिसमें जी.एन. एम. व बी.एस.सी. नर्सिंग फिजियोथेरेपी डॉक्टर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर व वार्ड बॉय एवं स्वीपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर (छ.ग.) मों नंबर** 9691631006, 9926115911, 9617952445.(RO-6860)

सेल्समैन

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है **संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो ,** 7469980000, 0771 4075490. (RO-Jain)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टीचर

Requirment- Jai Public Higher Secondary English Medium School Harinagar katul-boad Durg requires teachers for, Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, Accountancy, Business studies, Economics, So. Science, Science English, Office clerk, contact with Resume before 10th june 2025, **9301398270.** (आरो नं.-761)

आवश्यकता है- ज्ञान आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल प्रेम नगर गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) हिंदी/ एवं अंग्रेजी माध्यम शिक्षक शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। **मोबाइल - 9827403620. समय सुबह 8 से 12 बजे तक**(RO-A)

घरेलु/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य बाई 1 एवं टेली कालिंग कार्य हेतु 2 फीमेल एवं घर बैठे मार्केटिंग हेतु मेल - फीमेल चाहिए पार्ट टाइम/फुल टाइम रहना खाना सुविधा अच्छे रिश्ता हेतु कास्ट नो बार कन्याएं बायोडाटा भेजिए मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो **भारतमाता चौक गुढ़ियारी रायपुर** 903932195. (RO-670)

पैकेजिंग/ डिलवरी कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, माल पैकेजिंग, डिलवरी कार्य हेतु जो ई-रिक्शा चला सके 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता है **मिले:- डुको आर्ट, शादीजा कंपाउंड, LIG-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर** 99932-40022.(आरो - 6873)

हरिभूमि क्लासीफाईड

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध में स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल /डीजल डालने हेतु मेल /फिमेल स्टॉफ की आवश्यकता है (समय - 12:00 से शाम 04:00 तक) **संपर्क मो. न.** - 9685652002, 8085098391 **पता - चौबे कॉलोनी रायपुर (छ.ग.)**(RO-6873)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- रायपुर रिंग रोड नंबर -1, सरोना चौक, अरिहंत नगर में ऑफिस कार्य के लिए कम्प्यूटर ज्ञाता ग्रेजुएट चाहिए। वेतन 10 से 15 हजार। **बायोडाटा व्हाट्सएप करें** 9131276161. (RO-7218)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन I Co- 9630773028 9691233111. (RO-355)

आवश्यकता है- आफिस रखरखाव के लिए लड़का चाहिए, ईमानदार, मेहनती , 2 व्हीलर चला सके, जरुरतमंद ही **संपर्क करें वेतन 8000 से शुरू फोन** 9399463415.(RO-878)

शीघ्र आवश्यकता है- भुवनेश्वर ओडिशा में ऑफिस कार्य हेतु 18-30 वर्ष, 10th 12th , ग्रेजुएट लड़के चाहिए। वेतन 10000 + कमीशन बोनस के साथ कमाए 15000 से 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें- 70009 48245, 6265636797.**(RO-351)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222.** (RO-08)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है स्थानः धनोरा दुर्ग , अनुभवः न्यूनतम 5 साल, ड्राइविंग लाइसेंसः वैध LMV लाइसेंस आवश्यक, वेतनः अनुभव के अनुसार, समयः सुबह 9बजे से शाम 7बजे तक,कामः ऑफिस / निजी कार चलाना **संपर्क -96696-66601, 77719-67111.** (आरो नं.-760)

आवश्यकता है- फर्नीचर कं. में कार/ टाटा एस चलाने हेतु ड्राइवर अनुभव 3वर्ष उम्र अधिकतम 30वर्ष सैलरी + भत्ता गोदाम एवं शोरूम में मेहनती लड़कों की सेलरी योग्यतानुसार **संपर्क राधा फर्नीचर्स धमधा रोड नीयर नागपुर बायपास ब्रिज दुर्ग (छ. ग.) मो .9425238441.**(आरो नं.-762)

टाइपिस्ट/मार्केटिंग

आवश्यकता है- ऑफिस में हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिस्ट हेतु दो लड़कियों की एवं ऑफिस में मार्केटिंग के लिए ऑफिस बॉय की आवश्यकता है उम्र 19 से 25 वर्ष वेतन 7000/- **संपर्क :-** 9926179342. (आरो - 6868)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस बॉय/सहायक

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक स्टाफ ऑफिस बॉय एवं गर्ल सहायक हेतु समय सुबह 10:30 से 8 बजे तक इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। **श्री श्याम डेंटल क्लिनिक अशोका प्लाजा अशोका रतन शंकर नगर रायपुर मोबाइल** - 8435533000.(RO-6879)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मेडिकल इक्विपमेंट की मार्केटिंग के लिए लड़के की आवश्यकता है। **संपर्क:** AG ENTERPRISES KAMAL VIHAR RAIPUR M 9329358582, 8435958582.(RO-6543)

इंचार्ज/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई क्षेत्र में आवश्यकता हैं (1) कॉलसेंटर इंचार्ज (फीमेल) पद -03 सैलरी -20000 + (2) टेलिकॉलर (फीमेल) पद 5 सैलरी (7000 - 10000) कंप्यूटर ,बैंकिंग व कलेक्शन क्षेत्र में अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता (3) फील्ड एग्जीक्यूटिव पद -10 सैलरी 12000 +TA (4) ऑफिसबॉय पद 2 contact : 9329208862, 9589049626 **हेड ऑफिस :- ई-जेनेसिस ,4 /16 दक्षिण गंगोत्री ,भिलाई** (आरो नं.-SP/918)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- एम्बीशन कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं वेतन 12,000/- से 15,000 हजार तक **पता- रायपुरा चौक सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुर** Mob. 8839695067, 7247508331.(RO-6865)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

दुकान कार्य

आवश्यकता है- राखी दुकान में काम करने हेतु लडके-लडकियो की आवश्यकता है। **संपर्क- गोपी राखी, रहमानिया चौक, बंजारी रोड, रायपुर (छ.ग.) मों.-** 7024636503, 9827180503.(RO-6872)

ड्रायवर/सेल्समैन

आवश्यकता है- चायपत्ति के फैक्ट्री में गाड़ी चलाने के लिये ड्राईवर एंव अनुभवी सेल्समैन कि आवश्यकता है **संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अमलीडीह** mo-74699-80000, 0771-4025490.(RO-6863)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे **(धीरेंद्र कुमार)- 7392890179.** (RO-925)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS इंटरप्राइजेस, **रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603.** (RO-080)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Property प्रापर्टी

कृषिभूमि

बेचना है- प्राईम लोकेशन 02.70 एकड़ कृषि भूमि, नवा रायपुर , भेलवाडीह। डामर रोड पर 400' फ्रंट @ 1.15 करोड़/एकड़। लेवाल ही **संपर्क करें** - 7987504355, 7477202779. (RO-A)

प्लाट

प्लॉट बेचना है- श्रीनगर, शिवानन्दनगर, गणेश मंदिर के पास, राधाकृष्ण मंदिर चौक पर 1200 वर्गफुट के चार डायवर्टेड प्लाट, ईस्ट फेशिंग एक मुश्त या अलग-अलग बेचना है। 9329120891, 9300593000. (RO-7219)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Finance फायनेंस

फाइनेंस - लोन घमाका रजिस्टर्ड कंपनी द्वारा 50,000 से 25 लाख तक ब्याज 4% सब्सिडी 25% होम लोन व्यापार पशुपालन मुर्गी पालन एवं महिला ग्रुप लोन पाने हेतु **संपर्क करें,** 8016953669, 8597107469. (RO-6880)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Healthcare

समस्या का स्थाई समाधान केवल आयुर्वेद में

- क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण जन्य रोग हैं हेपाटाइटिस (ABC) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रुबेला, या सिफलिस, गोनेरिया (सूजाक), HIV (AIDS) रोग हैं।
- समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस सिर एवं शरीर से ताँबे रंग के छिलके, रूसी, जोड़ों में दर्द, उँगलियो का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
- समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग **ध्यान रहें** पुरुष के प्रकृति जन्य (इंद्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान!

वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 9399715688

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष स्वयं का व्यापार वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं। सन्तान सहित भी स्वीकार।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-:सम्पर्क करें:- 6268373521

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधू चाहिए
-:सम्पर्क करें:- 9301260984

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व व्यक्तिगत विवेक से ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

ट्रेनों की कटौती, बसों ....

का किराया परिवहन विभाग के 'बस फेयर कैलकुलेटर' के तय मानकों के आधार पर जांचा। जांच में सामने आया कि रायपुर से चलने वाली डीलक्स स्लीपर कोच, डीलक्स नाइट बस, सेमी स्लीपर और सुपर डीलक्स बसों में सबसे ज्यादा अनियमितता है। रात के समय बसों के किराए में 100 रुपये तक का अंतर देखा गया, जबकि दिन में चलने वाली एसी और नॉन-एसी स्लीपर बसों में कम दूरी से लेकर लंबी दूरी तक 200 रुपये तक का अंतर सामने आया। विभागीय नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है और यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है।

बसों से गायब है किराया सूची : रायपुर से चलने वाली करीब 70 फीसदी छोटी और बड़ी बसों से किराया सूची पूरी तरह से गायब हो चुकी है। केवल 20 फीसदी बसों में ही यह सूची देखी गई, जो मुख्यतः रायपुर से राजिम, भिलाई और बलौदाबाजार जैसे नजदीकी रूटों पर संचालित होती हैं। लंबी दूरी की बसों में किसी भी प्रकार की किराया सूची प्रदर्शित नहीं है। कुछ बस चालकों ने स्वीकार किया कि किराया सूची एक साल पहले लगाई गई थी, लेकिन अब हटा दी गई है। परिवहन विभाग की ओर से बसों में नियमित जांच नहीं हो रही, जिससे बस संचालक मनमाने तरीके से किराया वसूल रहे हैं। यात्रियों के पास जानकारी के अभाव में विरोध करने का भी आधार नहीं होता। रायपुर से बिलासपुर की दूरी 117 किमी है, जिसके लिए अधिकतम किराया 232 रुपए तय किया गया है। लेकिन बस स्टैंड में यात्रियों से सामान्य नॉन एसी बस के लिए 284 रुपए तक वसूले जा रहे हैं, वह भी बिना जीएसटी के। इसी तरह रायपुर से अंबिकापुर की 337 किमी दूरी के लिए आरटीओ ने 672 रुपए किराया तय किया है, लेकिन यात्रियों से बस स्टैंड में 750 तक वसूले जा रहे हैं।

कार्रवाई करेंगे : जिन बसों में किराया सूची नहीं लगी है, उन बस संचालकों पर कार्रवाई करेंगे। तय किराया से अधिक वसूलने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। - डी. रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

रायपुर-औरंगाबाद ....

जो तय किराए से करीब 434 रुपए अधिक है। एजेंटों का तर्क है कि उनकी बसें अन्य बसों की तुलना में जल्दी पहुंचती हैं और रास्ते में कम रुकती हैं, इसलिए किराया ज्यादा लिया जा रहा है।

रायपुर से नागपुर ....

दर्जन से अधिक बस का किराया 800 से 2000 तक देखने को मिला।

रूट एक लेकिन बसों ....

ऑनलाइन बुकिंग में भी यही स्थिति देखने को मिलती है। कुछ बसों का किराया 800 से 900 रुपये तक है, जबकि कुछ संचालक निर्धारित दरों पर टिकट दे रहे हैं। हालांकि अधिकतर यात्री बस टर्मिनल से ही टिकट लेना पसंद करते हैं, ताकि बस का सही समय, पिकअप पॉइंट और अन्य जानकारी मिल सके। लेकिन यहां उन्हें अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। ऑनलाइन और एजेंट से लिए गए टिकटों के किराए में 200 रुपये तक का अंतर सामने आया है।

साय ने कहा-जल ....

रोका है? हम चर्चा चाहते हैं लेकिन किससे करें? सरकार हमेशा शांति चाहती है। लेकिन नक्सली केवल पत्र लिखते हैं, शांति की पहल नहीं करते। अगर वे हथियार डालकर वार्ता करें तो जरूर करेंगे। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। जहां दशकों से विकास नहीं पहुंचा है वहां स्कूल, कालेज, अस्पताल, आंगनबाड़ी खोलने होंगे। यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। इस पर अभी से योजना बना रहे हैं।

पीएम आवास इतने बन रहे हैं कि रेजा कुली नहीं मिल रहे : मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल में जिन 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित किया गया था, उनकी चिंता करते हुए हमारी सरकार ने पहली ही कैबिनेट में इन सभी आवासों को स्वीकृति दी। अब तक लाखों हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराया जा चुका है। अगले साल केंद्र सरकार और मकान स्वीकृत करेगी।वर्तमान में इतने मकान बन रहे हैं कि गांव में रेजा-कुली और कारीगर नहीं मिल रहे। हमने वादा किया है हर एक आवेदक को मकान देंगे।

5,000 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति : श्री साय ने बताया कि रोजगार देने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रथम चरण में 5,000 शिक्षकों की भर्ती होगी। इस निर्णय से प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को गति मिलेगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया राज्य में शुरू कर दी गई है। इसके पूरा होने के बाद शिक्षकों के रिक्त पदों का आकलन कर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जहां ज्यादा शिक्षक, वहां से शिक्षकविहीन स्कूलों में भेजा जाएगा : युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत जिन स्कूलों में ज्यादा शिक्षक हैं लेकिन छात्र नहीं, वहां से शिक्षकों को निकालकर उन स्कूलों में भेजा जा रहा है, जहां शिक्षक नहीं हैं। इससे शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों की समस्या दूर होगी। स्कूल संचालन का खर्च भी कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक ही परिसर में ज्यादा कक्षाएं और सुविधाएं मिलने से बच्चों को बार-बार एडमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित होंगे तो प्राथमिक कक्षाएं पास करने के बाद विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में एडमिशन कराने की प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा।

केवल 166 स्कूलों का समायोजन : शालाओं के युक्तियुक्तकरण के तहत राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ 166 स्कूलों का समायोजन होगा। इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर में दूसरा स्कूल संचालित है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें दर्ज संख्या 30 से कम हैं और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है।

बिना छत, जर्जर ....

सुरक्षा को देखते हुए इस स्कूल को खाली करा दिया गया है। बीते सत्र में स्कूल में पहली से पांचवी तक के 27 छात्र अध्ययनरत थे, जोकि गांव के रामसाय सिदार के घर की बरामदे में पूरा साल पढ़े हैं। अभी तक स्कूल का जीर्णोद्धार नहीं होने से नए सत्र में भी बच्चे उसी बरामदे में भविष्य गढ़ने को मजबूर होंगे।

शिविर में शिकायत ....

कर जल्द ही स्कूल के जीर्णोद्धार की मांग की, इसके बाद भी अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

आंधी से उड़ ....

की तैयारी में जुटा हुआ है परंतु कई ऐसे भी जगह है जहां पर बच्चों के बैठने के लिए एक भवन भी नही है जहां पर वे बैठकर पढ़ सकें। विचारपुर के बच्चों को पता ही नहीं है कि वे जहां इस बैठकर पढ़ा करते थे उस भवन का शेड आंधी से उड़ गया है। अब बच्चे शिक्षक और पालक सभी चिंतित हैं कि शिक्षा सत्र की शुरुआत कैसे होगी।

एक करोड़ रुपए ....

था। जिसमें नक्सल संगठन का चीफ व महासचिव बसवराजु भी शामिल था। बस्तर पुलिस द्वारा बसवराजु को मुठभेड़ में मार गिराने के बाद अब एक ओर जहां नक्सलियों द्वारा लगातार समर्पण किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नक्सलवाद की नींव रखने वाले शीर्ष नक्सलियों व उनके परिवार में भी भय व्याप्त है। नक्सल महासचिव की दौड़ में सबसे आगे शामिल पोलित ब्यूरो मेंबर व प्रभारी सेण्ट्रल मिलिट्री कमीशन थिप्परी तिरूपति उर्फ देवजी की पोती ने दादा के नाम से मार्मिक पत्र व वीडियो संदेश जारी किया है। पोती इटलू सुमा थिप्परि द्वारा जारी मार्मिक पत्र और वीडियो संदेश में उसने देवजी को घर वापस लौट आने की अपील कर रही है।

तेलगू भाषा में ....

आपसे मिलने का मन करता है, पर दुर्भाग्यवश मुझे वह मौका कभी नहीं मिला और जब भी मैं मीडिया में आपके बारे में पढ़ती हूं तो मुझे आप पर अज्ञात गर्व और दर्द का एहसास होता है। पर हाल की घटनाओं को देखकर बहुत दुख भी होता है। आप कैसे हैं दादा जी, मैं सच्चे दिल से चाहती हूं कि इन कठिन परिस्थितियों में आप घर वापस आ जाएं। परिवार में ऐसे सदस्य भी हैं जो वर्षों से आपका इंतजार कर रहे हैं हम सब आपका इंतजार कर रहे हैं। उसने आगे कहा है कि आप सोचें कि इतने वर्षों में क्या कठिनाइयां रहीं होंगी। आपने बहुत कुछ जीता है और किया है।

शिक्षा दूत की ....

जगरगुण्डा जिला सुकमा, डोडी पाण्डू पिता स्व. सोमा पीएलजीएल कम्पनी नंबर 10 हेड क्वार्टर का पार्टी सदस्य ईनामी 8 लाख (18), निवासी गोंदपल्ली सरपंचपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा एवं डोडी नंदू पिता डोडी मंगडू एओबी पार्टी सदस्य/पीपीसीएम ईनामी 5 लाख (28), निवासी गोंदपल्ली सरपंचपारा जगरगुण्डा जिला सुकमा को पकड़ा गया। पकड़े गए तीनों आरोपियों के द्वारा जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत 13 सितंबर को ग्राम गोंदपल्ली के शिक्षा दूत को ग्रामीणों की बैठक लेकर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर लकड़ी के डण्डे से पीट-पीटकर गले में रस्सी डालकर गला घोटकर हत्या करने की घटना में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल रहे हैं। **जेल भेजे गए** : घटना के संबंध में थाना जरगुण्डा में अपराध क्रमांक 24/2024 धारा 190, 191(2), 140, 103 (1) भारतीय न्याय संहिता, 25 आर्म्स एक्ट, 38, 39, 16 (क) विधि विरूद्ध क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड मिलने पर जेल भेजा गया।

सेवानिवृत्ति के दिन ....

1.141 किलो सोना, 15 महंगी घड़ियां और कई कीमती सामान जब्त किए गए।

ट्रेलर की चपेट ....

घर लौट रहे थे। इस दौरान ट्रेलर एमपी 04 एचई 9799 के चालक ने बाइक सवारों को चपेट में लिया। हादसे में मोनिस की मौके पर मौत हो गई। वहीं नाबालिग सुहान को उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रेलर का पिछला हिस्सा सुहान के कमर में चढ गया था, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेलर में भारी लोहा लदा हुआ था।

पेज एक के शेष

अब तक 19 की...

कहा, सभी पीड़ित बाना के किचंग गांव के निवासी थे। बचाव कार्य तुरंत शुरू हो गए लेकिन मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और रात भर बेहद खराब दृश्यता के कारण इसमें काफी बाधा आई। इन चुनौतियों के बावजूद, पुलिस और बचाव दल ने अपने प्रयास जारी रखे। सिकोम ने कहा, शनिवार को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान पुनः शुरू हुआ। कई घंटों की खोज के बाद मलबा राजमार्ग से लगभग 150 मीटर नीचे पाया गया। उन्होंने कहा कि वाहन के अंदर सभी सात लोग मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि निचला सुबनसिरी जिले में एक अन्य घटना में जीरो-कामले मार्ग पर पाइन ग्रूव क्षेत्र के निकट एक खेत में भूस्खलन होने से दो मजदूरों की मौत हो गई तथा दो अन्य को बचा लिया गया। निचला सुबनसिरी के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ओजिंग लेगो ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात रान पोलियान कैबेज फार्म में हुई।

मिजोरम में ढहे मकान और होटल : दक्षिणी मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में पांच मकान और एक होटल के ढह जाने से कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे लॉन्गतलाई के बाजार वेंग और चांदमारी इलाकों के सीमावर्ती इलाके में भूस्खलन की चपेट में आने से मकान और होटल ढह गए। उन्होंने कहा कि होटल में ठहरे म्यांमा के कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पूर्वोत्तर राज्य में शुक्रवार से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसके कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं।

बांग्लादेश में बने 'अवदाब' से बारिश : भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बांग्लादेश में बने 'अवदाब' (डिप्रेशन) के कारण भारी बारिश की संभावना है। अवदाब का आशय कम दबाव के क्षेत्र से है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने निचला सुबनसिरी, पश्चिम कामेंग, पश्चिम सियांग, लोहित और चांगलांग जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। अधिकारियों ने निचले और आपदा संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने और सभी जरूरी एहतियात बरतने की अपील की है।

केदारनाथ धाम जा रहे...

सवार थे। हादसे में मयंक उर्फ शैलेष यादव की मौके पर मौत हो गई लक्ष्मण को गंभीर रूप से चोट आई है। तीन अन्य युवक हादसे में सुरक्षित है। मृतक मयंक इवेंट का काम करता था, परिवार को चलाने वाला इकलौता बेटा था।

मुआवजा के लिए...

होकर जहर खा लिया था। परिजन और वकील ने मौत के मामले को सर्पदंश का मामला बनाने की कोशिश की थी। पूरी साजिश शासकीय मुआवजा राशि 4 लाख रूपए के लिए रची गई। मामले का मास्टरमाइंड वकील कामता साहू निकला है। वहीं मामले में सिम्स की डॉक्टर प्रियंका सोनी पर फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने का आरोप है। पुलिस ने 420, 120बी समेत गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई करते हुए 31 मई को शव को जमीन से निकालकर सिम्स मरच्यूरी भेज दिया, इस दौरान बिल्हा एसडीएम और तहसीलदार के साथ ही पुलिस के बड़े अधिकारी मौजूद रहे। वहीं पूरा गांव भी घटना स्थल पर मौजूद रहा।

ऐसे हुआ...

उसकी मृतक की मौत शराब एवं जहर पीने से होने की बात सामने आई और संर्प दंश से मौत होने का खंडन कर दिया। एक ही मौत पर दो अभिमत मिलने के बाद पुलिस का माथा ठनका और इसकी जानकारी आला अधिकारियों को दी गई।पुलिस ने परिजनों से कड़ी पूछताछ की गई। इस दौरान वकील कामता प्रसाद साहू ने मुआवजे का लालच देकर परिजनों से झूठा बयान दिलाया था। मामले में एसएसपी ने गहन जांच के निर्देश दिए थे।

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज-सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष — मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च बढ़ेंगे।

मीन — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.02/न.पा.नि./प्रकाश विभाग/2025-26 दिनांक 30/05/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'C' वर्ग या उससे ऊपर में पंजीकृत ठेकेदारों /LED स्ट्रीट लाईट ड्राइवर, लेंस अथवा ल्यूमिनेयर के OEM या उनके अधिकृत विक्रेताओं (MAF सहित) से नीचे दर्शित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड/सबमिट करने की अंतिम तिथि
169543	Annual Item Rate Contract for LED Street Light Accessories in Nagar Nigam Bilaspur.	127.61	30/06/2025

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION, ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,RANCHI
NirupanBhawan,3rd Floor,Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-04/2025-26 1st Call
e-Tender Ref No:–RCD/SID/AP/RAN/04/2025-26 Date:- 30.05.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Galgaltand more to Bengal border via Simulia Madhra including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines. Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro District in the State of Jharkhand. (Tetative Length 12 K.m.) *Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	12 K.m
3	Period of Completion of Work	60 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 20,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	03.06.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	11.06.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	11.06.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	12.06.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation Division,Advance Planning,RCD, Ranchi Mob-9905660677.

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar)
Executive Engineer,
Soil Investigation Division, Advance Planning,
Road Construction Department,Ranchi

PR 353963 Road(25-26).D

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

क्रम सं. (1): ई-निविदा संख्याः DRM-ENGG-BSP-T-42-2025-26. दिनांकः 28.05.2025. **कार्य** : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पी.वे. (प्रभारी)/कोरबा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पीवे. कार्यों का निष्पादन जैसे टीआरआर(पी), टीएसआर(पी), टीबीआर, टीएफआर, टीटीआर (टीडब्ल्यूएस एवं ओआरएस के द्वारा), एसईजे, ग्लुड जोइंट, डॉवेल एवं ब्रोकेन स्क्रू स्पाइक्स का नवीनीकरण, टर्नआउट स्लीपरों का नवीनीकरण, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग का डीप स्क्रीनिंग, मिट्टी पंपिंग से बचने के लिए कोयले से अवरूद्ध यार्ड लाइनों एवं मध्य-खंड की लंबाई की डीप स्क्रीनिंग, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग स्लीपर, एसईजे स्लीपर, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग स्लीपरों के डॉवेल का कैजुअल रिन्युअल, इन्सर्ट की रीकंडीशनिंग, ब्रोकेन स्क्रू, चेयर प्लेट्स का प्रतिस्थापन, चेकरेल का निर्माण, फिशप्लेट्स की ग्रीसिंग, जाम ईआरसी को खोलना, रेल की ग्राइंडिंग, सैंडहंप, डेडएंड एवं ट्रॉली रिफ्यूज का मानकीकरण एवं अन्य संबंधित ट्रैक कार्य। **निविदा मूल्य : ₹14,02,47,794/-। अमानत राशि : ₹8,51,200/-। कार्य पूर्णता की अवधि : 24 माह।**

क्रम सं. (2): ई-निविदा संख्याः DRM-ENGG-BSP-T-43-2025-26. दिनांकः 28.05.2025. **कार्य** : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अभियंता/पूर्व/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत स्टेशनों (अर्थात कापन, जांजगीर-नैला, चाम्पा, बालपुर हॉल्ट, कोथारी रोड, मडवारानी, सरगबुंदिया, उरगा, कोरबा, गेवरा रोड, सारागांव रोड, बाराद्वार, जेठा, सक्ती, झाराडीह, खरसिया, रॉबर्टसन, भुपदेवपुर, किरोड़ीमल नगर, रायगढ़, कोतरलिया, जामगा, दाघोरा, हिंमगिर, बेलपहाड़, ब्रजराजनगर, ईब) पर दिव्यांगजनों एवं कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करना। **निविदा मूल्य : ₹1,73,41,679/-। अमानत राशि : ₹2,36,700/-। कार्य पूर्णता की अवधि : 09 माह।**

क्रम सं. (3): ई-निविदा संख्याः DRM-ENGG-BSP-T-57-2025-26. दिनांकः 28.05.2025. **कार्य** : वरिष्ठ मंडल अभियंता/पूर्व/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत समपार क्र. सी.जी.-1 (बालपुर हॉल्ट-चाम्पा के बीच किमी. 668/03-05 पर), सी.जी.-1 (बालपुर हॉल्ट-कोठारी रोड के बीच किमी. 674/20-22 पर), एलएचएस-286 (रायगढ़-कोतरलिया के बीच किमी. 580/3-5 पर), एलएचएस-294 (किरोड़ीमल नगर-भुपदेवपुर के बीच किमी. 595/23-596/01 पर), एलएचएस-295 (किरोड़ीमल नगर-भुपदेवपुर के बीच किमी. 596/21-23 पर), एलएचएस-346 (जांजगी नैला-अकलतरा के बीच किमी. 678/22-24 पर) एवं एलएचएस-347 (जांजगीर नैला-अकलतरा के बीच किमी. 681/01-03 पर) पर एलएचएस/आरयूबी से पानी निकालना। **निविदा मूल्य : ₹1,27,72,273/-। अमानत राशि : ₹2,13,900/-। कार्य पूर्णता की अवधि : 12 माह।**

निविदा जमा करने की आरंभ तिथि : दिनांक **06.06.2025** से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 20.06.2025** के **11:00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभियंता)
सीपीआर/10/81 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

NAGAR PANCHAYAT BASNA, DIST - MAHASAMUND (C.G.)
Email - npbasna@gmail.com

Nit No.275/PWD/2025-26 **e-Procurement Tender Notice (2nd Call)** Basna Date- 27.05.2025

Online bids are Invited for the following works (Last date & time of bid preparation) Date- 13.06.2025 at 5.30 Hours.

S N	System Tender No.	Name of Work/Description of work	Probable Amount of Contract (Rs. In Lacs)
01	167143	Labor Supply Contract Year 2025-26 (31 March 2026) 2nd call	46.27 Lac

Note: All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on the eProcurement portal (http://cgeprocurement.gov.in) and get empanelled through the sub-portal (http://uadd.cgeprocurement.gov.in) in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

Chief Municipal Officer
Nagar Panchayat Basna

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
भंडार विभाग
ई-टेंडर नोटिस न. एन.आई.टी./14/25/21, तिथि-27-मई -2025

Sr. No.	Tender No.	Description	Tender Closing /Opening Date & Time	Qty.
1	02255002	रेट्रो फिटमेंट ऑफ रूफ माउंटेड एरर कंडिशनिंग सिस्टम विथआउट थ्रो इन बोथ कैब्स	11.06.2025 At 10:30 hrs	145 सेट
2	06250106	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर द सप्लाई ऑफ "1 इन 8.5 बी. जी. 60 के.जी. थिक वेब कर्व्ह स्विचेस	18.06.2025 At 10:30 hrs	310 सेटस
3	03253273	इंटरकार गैंग्वे मांउटिंग	20.06.2025 At 10:30 hrs	150 सेटस
4	03251984	कान्स्टेंट कॉन्टेक्ट पोलीयूरेथेन पी. यू. साईड बेयरर पैड एसेंबली फॉर कसनब-22 एच.एस. बोगीस डिजाइन 'ए'	25.06.2025 At 10:30 hrs	6132 सेटस
5	03252615	प्राईमरी स्प्रिंग फॉर जेनेरेटर कार	25.06.2025 At 10:30 hrs	1541 नग
6	03252701	प्राईमरी स्प्रिंग फॉर एल. एच. बी. एन. ए.सी. कोचेस	25.06.2025 At 10:30 hrs	1024 नग
7	03252773	सेकेंडरी ब्रेक बिम एसेंबली एज पर आर. डी. एस. ओ. ड्राईंग नं. डब्ल्यू. डी. -08093 - एस. / 2, एल्टेरेसन-3, आएटम नं. 2.	25.06.2025 At 10:30 hrs	289 नग
8	06250104A	सी.एम.एस. कोसिंग - 60 के. जी. 1 इन 16 कॉनफॉर्मिंग टू आर. डी. एस. ओ. डी. आर. जी.नं. टी. - 5693	25.06.2025 At 10:30 hrs	19 सेटस
9	03252641A	प्राईमरी स्प्रिंग फॉर जेनेरेटर	25.06.2025 At 10:30 hrs	953 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक-II
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/AM/80

South East Central Railway @secrail

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi) Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

Short Term e-Procurement Notice

Date – 30-05-2025

Sl. No.	Tender Reference No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	BCD/Div.No.-1, Ranchi/12/2025-26	Construction of New Veterinary Hospital Building (G+1) at Singhmore, Ranchi	29359000	Nine Month

2	Start Date of Submission of Bids	09-06-2025 at 11.00 AM
3	Last Date/Time of Submission of Bids	19-06-2025 at 11.00 AM
4	Date/Time of Opening of Bid	20-06-2025 at 11.00 AM
5	Helpline Number of e-procurement Cell	8527519262
6	e-mail ID	eebcddiv1ranchi@gmail.com

Note :- Cost of bidding document (Non Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://Jharkhandtenders.gov.in

Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in

Any Other information can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No. 1, Ranchi

PR 354004 Building(25-26)D

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय- कार्यपालन यंत्री (सं./ सं.) संभाग छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लि. महासमुन्द

// बिजली बन्द की सूचना //

सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है पूर्व मानसून मेन्टेनेंश कार्य किये जाने के कारण 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र परसवानी, एवं महासमुन्द से निकलने वाली निम्नलिखित 33/11 के.व्ही. फीडरों की विद्युत आपूर्ति निम्नानुसार बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	33/11 के.व्ही. फीडर का नाम	समय	प्रभावित क्षेत्र
1	02.06.2025	33 के.व्ही. सिरपुर फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. बिरकोनी, तुमगांव, सिरपुर, एवं अछोली उपकेन्द्र से निकलने वाली 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता।
2	04.06.2025	33 के.व्ही. बागबाहरा फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मामाभांचा एवं चरौदा से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता
3	05.06.2025	33 के.व्ही. राजिम फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. खट्टी, आमाकोनी एवं खैरा उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. से जुड़े निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता
4	06.06.2025	33 के.व्ही. पटेवा फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र छपोराडीह से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. लाईन एवं करणीकृपा, मारूती एग्रो, वामाडेयरी, बालाजी यूनिट-2 उच्चदाब उपभोक्ता।
5	09.06.2025	33 के.व्ही. टाउन-2 फीडर एवं 33/11 के. व्ही. ईमलीभाठा उपकेन्द्र	09 AM TO 03 PM	33/11 के. व्ही. ईमलीभाठा एवं बेमचा उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. लाईन।
6	10.06.2025	33 के.व्ही. के.एन. ऑयल फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. पिटियाझर एवं रायपुर रोड महासमुन्द उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त 11 के. व्ही. लाईन से जुड़े निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता एवं सूर्या राईस मील, गोयल फुड, अरिहंत राईस मील, नकोडा राईस मील, बालाजी राईस मील, आदिश्वर राईस मील, अभिनंदन राईस मील, गुरूतेग बहादुर राईस मील, बजरंग राईस मील।
7	11.06.2025	33 के.व्ही. इण्डस्ट्रीयल फीडर	09 AM TO 03 PM	33 के.व्ही. इन्डस्ट्रीयल फीडर से जुडे समस्त उच्चदाब उपभोक्ता।
		33 के.व्ही. शिवालिक पॉवर फीडर	09 AM TO 03 PM	33 के.व्ही. जनरेटिंग यूनिट 8000 मेगावाट उच्चदाब उपभोक्ता।
8	12.06.2025	33 के.व्ही. टाउन -1 फीडर	09 AM TO 03 PM	33/11 के.व्ही. मचेवा, मुढेना, बेमचा एवं परसठ्ठी से निकलने वाली समस्त 11 के. व्ही. फीडर से जुडे निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता।

" विद्युत संबंधित शिकायत 1912 में दर्ज करायें।"
"लाईन विच्छेदन की कार्यवाही से बचने के लिए अपने विद्युत देयक का भुगतान प्रतिमाह करें"।

(पी. आर. वर्मा)
कार्यपालन यंत्री (सं/स) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लि.महासमुन्द

शब्द पहेली - 5884

[Crossword grid with numbered squares 1–39]

बाएँ से दाए
1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5883 का हल

सूडोकू नवताल - 5894
★★★★★ कठिनतम

सूडोकू नवताल - 5893 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी
अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत: बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी

मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़,

लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता
अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

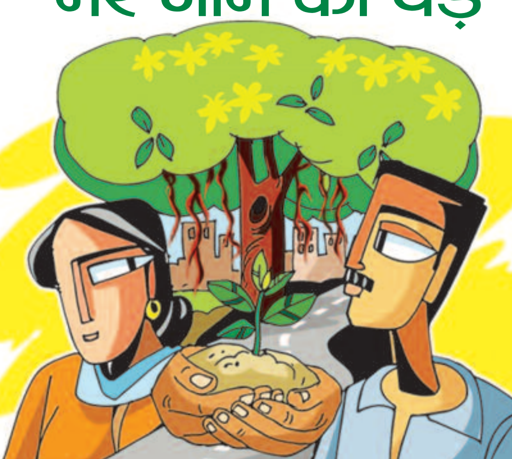

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

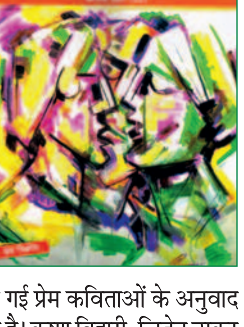

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादक:** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालय:** देहरादून, उत्तराखंड

कोलंबिया ने वापस लिया पाकिस्तान के समर्थन वाला बयान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विरोध जताने वाले कोलंबिया के सुर बदल गए हैं और उसने पाकिस्तान के समर्थन वाला बयान ही वापस ले लिया है। इसे भारत की कूटनीति और शशि थरूर की आक्रामकता की जीत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि जो कोलंबिया कल तक पाकिस्तान के लिए सांत्वना जता रहा था, वो आज भारत के समर्थन में खड़े हो गए हैं।

थरूर ने दिलाई भारत को कूटनीतिक जीत

दरअसल, सर्वदलीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कोलंबिया के संवेदना वाले बयान पर 'निराशा' जाहिर की थी। सात मई को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकवादी ठिकानों, उनके मुख्यालय एवं लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया। भारत की इस जवाबी कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए जिसके बाद कोलंबिया ने पाकिस्तान के प्रति संवेदना जताई थी।

कोलंबिया ने वापस लिया बयान

समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में थरूर ने कहा कि 'कोलंबिया की उप विदेश मंत्री रोजा योलांडा ने बहुत ही गरिमामय तरीके से इस बात का जिक्र किया कि हमारी ओर से चिंता जाहिर करने के बाद पाकिस्तान के प्रति संवेदना जताने वाले बयान को कोलंबिया ने वापस ले लिया है। इस पूरे मामले पर कोलंबिया अब हमारे रुख को पूरी तरह से समझता है। यह वास्तव में बहुत महत्व रखता है।

- पहलगाम अटैक के बाद भारत, पाक में हुआ था तनाव
- विश्वभर में घूमकर भारत खोल रहा है पाक की पोल

नहीं हो सकती समानता

पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के हमलों के बाद कोलंबिया ने जानमाल के नुकसान को लेकर दुख जताया था। इस बयान को लेकर ही शशि थरूर ने कहा कि हम अपने कोलंबियाई मित्रों से कहना चाहेंगे कि जो आतंकवाद फैलाते हैं और जो उसका प्रतिरोध करते हैं, उनके बीच कोई समानता नहीं हो सकती। जो हमला करते हैं और जो रक्षा करते हैं, उनके बीच कोई तुलना नहीं हो सकती। हम केवल आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, और यदि इस पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के हमलों के बाद कोलंबिया ने जानमाल के नुकसान को लेकर दुख जताया था। इस बयान को लेकर ही शशि थरूर ने कहा कि हम अपने कोलंबियाई मित्रों से कहना चाहेंगे कि जो आतंकवाद फैलाते हैं और जो उसका प्रतिरोध करते हैं, उनके बीच कोई समानता नहीं हो सकती। थरूर ने कहा कि जो हमला करते हैं और जो रक्षा करते हैं, उनके बीच कोई तुलना नहीं हो सकती। हम केवल आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, और यदि इस पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने के लिए तैयार हैं।

अब ब्राजील जाएगा यह प्रतिनिधिमंडल

कोलंबिया से प्रतिनिधिमंडल ब्राजील जाएगा. यह पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में अमेरिका जाएगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए थे जिसके बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। बाद में दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ।

प्रतिनिधिमंडल में ये हैं शामिल

थरूर के नेतृत्व वाला नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को कोलंबिया पहुंचने से पहले गुयाना और पनामा की यात्रा कर चुका है। प्रतिनिधिमंडल में तेजस्वी सूर्या (बीजेपी) भुवनेश्वर कलिता (बीजेपी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), शांभवी (लोक जनशक्ति पार्टी), जी एम हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

खबर संक्षेप

2029 की नई संसद में 33% महिलाएं बनेंगी सांसद : नड्डा

नई दिल्ली। देश में अब साल 2029 में लोकसभा चुनाव होगा।

इसे लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने 2029 की संसद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2029 में जो नई संसद बनेगी, उसमें 33 फीसदी महिलाएं सांसद चुनकर आएंगी। देश में इस तरह का काम हो रहा है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा शनिवार को राजस्थान के जयपुर पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है, यह कार्यक्रम चल रहा है।

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास की गई विधायकी

नई दिल्ली। अब्बास अंसारी की मऊ कोर्ट से सजा का ऐलान होते ही विधायकी भी खत्म हो गई है। इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष नोटिफिकेशन जारी करेंगे। नोटिफिकेशन में आज की तारीख से सदस्यता रद्द होने का जिक्र रहेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के अनुसार अगर सांसदों और विधायकों को किसी भी मामले में 2 साल से ज्यादा की सजा हुई है तो ऐसे में उनकी सदस्यता (संसद और विधानसभा से) रद्द हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) निरस्त कर दिया है।

भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी ने किया ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

'आतंकियों ने नारी शक्ति को दी चुनौती, ये चुनौती उनके आकाओं के लिए बनी काल'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है। जहां पाकिस्तानी सेना से सोचा तक नहीं था वहां आतंकी ठिकानों को हमारी सेना ने मिट्टी में मिला दिया। सैकड़ों किमी. भीतर घुसकर मिट्टी में मिला दिया।

ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है कि आतंकवादियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा। घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आंतकियों की मदद करेगा उसको भी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. पीएम ने कहा कि अब भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान कर चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

सिंदूर अब शौर्य का प्रतीक

पीएम मोदी ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती कार्यक्रम में महिलाओं के लिए किए गए सरकारी कामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चाहें उनके बैंक खाते हों या उसको सशक्त बनाने की योजनाएं सरकार ने इस दिशा में अहम कदम उठाए हैं। पीएम मोदी ने भोपाल से पूरे देश को ड्रोन दीदी अभियान के बारे में भी बताया। सिंदूर का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि रामभक्ति में रंगे हनुमान जी भी सिंदूर को ही सिंदूर को ही धारण किए हुए हैं। यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतीयों का खून ही नहीं बहाया बल्कि हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया और समाज को बांटने की कोशिश की।

पीएम मोदी ने भोपाल में लोकमाता अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देश की बेटियों के लिए किए गए तरक्की के कामों का जिक्र किया। पहलगाम हमले में बेटियों के सिंदूर को मिटाने वाले आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी। ये चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई।

पाकिस्तान को दो टूक गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा

अहिल्याबाई ने दी गरीबों और वंचितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता

मोदी ने कहा- माता अहिल्या बाई ने गवर्नेंस का ऐसा उत्तम मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी गई। रोजगार और उद्यम के लिए उन्होंने कई योजनाएं शुरू की। खेती को बढ़ावा देने के लिए नहरों का जाल बिछाया, उस जमाने में 300 साल पहले जल संरक्षण के लिए उन्होंने कितने ही तालाब बनवाए। आज अगर बेटियों की शादी की उम्र की चर्चा की जाए तो कुछ लोगों को लगता है कि सेकुलरिज्म खतरे में हैं। लेकिन देवी अहिल्याबाई ने ऐसी सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की। 250 साल पहले हमारे देश में नारी सुरक्षा टोलियों को बनाने का काम किया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए देवी अहिल्याबाई ने कपास और मसालों की खेती को प्रोत्साहित किया। आज हमें बार-बार किसानों को कहना पड़ता है कि क्रॉप डायवर्सिफिकेशन बहुत जरूरी है। हम केवल धान या गन्ने की खेती करके अटक नहीं सकते। उन्होंने आदिवासियों और घुमंतू टोलियों के लिए खाली पड़ी जमीन पर खेती की योजना बनाई।

गरीबों को समर्थ बनाने के लिए काम

मोदी ने कहा कि कहा जाता है कि अहिल्याबाई हमेशा शिवलिंग अपने साथ लेकर चलती थीं। उस चुनौतीपूर्ण कालखंड़ में एक राज्य का नेतृत्व कांटों से भरा ताज था। कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि कांटों से भरा ताज पहनकर लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने राज्य की समृद्धि को नई दिशा दी। उन्होंने गरीब से गरीब को समर्थ बनाने के लिए काम किया। वह भारत की विरासत की बड़ी संरक्षक थीं।

आदिवासियों के लिए किया बहुत काम

देवी अहिल्याबाई ने आदिवासी समाज और घुमंतु टोलियों के लिए खाली पड़ी जमीन पर खेती की योजना बनाई। ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे एक आदिवासी बेटी, जो आज भारत के राष्ट्रपति के पद पर विराजमान हैं, उनके मार्गदर्शन में आदिवासी भाई-बहनों की सेवा करने का मौका मिला है। बता दें कि पीएम मोदी ने ये सब बातें अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कही।

चीन ने अंतरराष्ट्रीय विवाद सुलझाने बनाया नया मंच

पाकिस्तान समेत 33 देश बने मेंबर

एजेंसी ⏭ बीजिंग

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रही जंग के बीच संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को लेकर बीते कुछ सालों से लगातार सवाल उठे हैं। संयुक्त राष्ट्र कई मोर्चों पर विफल रहा है और विशेषज्ञ लंबे समय से इसके ढांचे और कार्यशैली में बदलाव की मांग भी कर रहे हैं। इस बीच चीन ने यूएन को सीधी चुनौती देते हुए एक नया मंच तैयार कर लिया है। हाल ही में चीन ने दुनिया के कई बड़े देशों के साथ मिलकर नया वैश्विक मध्यस्थता समूह बनाया है। चीन की इस कवायद में शुक्रवार को 30 से अधिक देश शामिल हुए हैं। पाकिस्तान, इंडोनेशिया, बेलारूस और क्यूबा के 30 से

अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हांगकांग में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन की स्थापना संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद ये देश इस वैश्विक संगठन के संस्थापक सदस्य बन गए। इस नए संगठन का मुख्यालय हांगकांग में होगा। मुख्यालय की स्थापना के समारोह में संयुक्त राष्ट्र सहित लगभग 50 अन्य देशों और लगभग 20 संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

गुजरात में 4.79 लाख स्ट्रीट वेंडर्स बन गए आत्मनिर्भर

पीएम स्वनिधि योजना के हुए 5 साल

एजेंसी ⏭ गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पीएम स्वनिधि योजना देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे व्यापारियों की आजीविका और उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल क्रियान्वयन में गुजरात ने अग्रणी राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाई है। भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की प्रमुख पहल पीएम स्वनिधि योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 1 जून 2020 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स को सशक्त बनाना और उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ना है।

गुजरात सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इस योजना को मिशन मोड में लागू किया है, जिसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में वेंडर्स को निर्बाध ऋण वितरण, डिजिटल पंजीकरण और निरंतर सहायता सुनिश्चित की जा रही है। जून 2025 में अपनी पाँचवीं वर्षगांठ मना रही यह परिवर्तनकारी योजना, बीते पांच वर्षों में आजीविका सशक्तिकरण, संकल्प, और समावेशी आर्थिक विकास की मिसाल बन चुकी है।

विशेष लोन वितरण दिवस

गुजरात सरकार ने लक्षित लोन वितरण शिविर, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम और वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर समय पर लोन वितरण और सभी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया है। शुक्रवार और शनिवार को विशेष लोन वितरण दिवस रखकर वेंडर्स को जल्दी और सुनिश्चित ऋण मिल सके, यह सुनिश्चित किया गया। साथ ही, सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबीएस) में खास अभियान चलाकर हर वेंडर को योजना से जोड़ा जा रहा है, ताकि कोई भी पीछे न छूटे और समावेशन पूरी तरह हो सके।

युद्ध जैसे हालात की मॉक ड्रिल, ब्लैकआउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान की सीमा से सटे भारत के राज्यों में मॉक ड्रिल किया गया। दुश्मन देश के हमलों से बचने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू कश्मीर, हरियाणा और चंडीगढ़ को शामिल किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बचते हुए खुद को कैसे सेफ रखना है इसकी तैयारी की गई।

पाकिस्तान की सीमा से सटे इलाकों में मॉक ड्रिल के दौरान ब्लैकआउट भी किया गया। ऑपरेशन शील्ड के तहत पहले यह ड्रिल गुरुवार को होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों के कारण इसे दो दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्र सरकार ने इसके बाद शनिवार (31 मई) को नई तारीख पर मॉक ड्रिल किया। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद पहली बार मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है।

पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर हरियाणा और चंडीगढ़ में ऑपरेशन शील्ड

मॉक का मकसद नागरिकों को जागरूक करना : डीआईजी

राजस्थान के जैसलमेर में भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। बीएसएफ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौर ने कहा देशभर के सीमावर्ती राज्यों में जो मॉक ड्रिल हो रही है, उसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को जागरूक करना है कि अगर कभी ऐसी स्थिति बनती है तो किस प्रकार से रेस्क्यू करना है। हमारी सिविल डिफेंस की कहां जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिविल प्रशासन की क्या भूमिका है। इसका मिलाजुला रूप है मॉक ड्रिल। उन्होंने कहा कि जहां तक सीमाओं की बात है तो हम सीमाओं पर तैनात हैं।

अमृतसर में बताया बचाव का तरीका: पंजाब के अमृतसर में आम लोगों को धमाकों के दौरान कैसे सेफ साइड की तरफ जाना है, इसकी जानकारी दी गई। घायलों को कैसे प्रारंभिक इलाज देना है। इसके भी बारे में बताया गया। मॉक ड्रिल के दौरान वायुसेना, चिकित्सा, स्थानीय निकाय, गृह रक्षा, ऊर्जा, पुलिस विभाग तथा जिला प्रशासन की भूमिका के बारे में भी बताया गया।

श्रीनगर में मॉक ड्रिल: जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में डीसी ऑफिस में ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जम्मू-कश्मीर के अखनूर के एसडीएम मुख्तार अहमद ने बताया कि हमने हाल ही में यहां सीमा पर गोलाबारी देखी है। ऐसे में हम इसके बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। अगर ऐसी कोई घटना होती है तो लोगों को तैयार रहना चाहिए, हम इसकी जानकारी दे रहे हैं। भारत में मॉक ड्रिल को लेकर पाकिस्तान पाकिस्तान में तनाव है।

अजमेर में सायरन बजने लगे : राजस्थान के अजमेर में ऑपरेशन शिल्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान सायरन बजने लगे, जिसके बाद एयर स्ट्राइक की सूचना दी गई। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने घायलों को एक चिकित्सा केंद्र पर भर्ती कराने का अभ्यास किया।

अमेरिका बोला- एशिया का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा चीन

- ताइवान पर 2027 तक हमला कर सकता है

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर चीन ने जबरदस्ती ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश की, तो इसका असर इंडो-पैसेफिक क्षेत्र और पूरी दुनिया पर पर बहुत बुरा होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने सिंगापुर में चल रही शांगरी-ला डायलॉग में कहा कि चीन एशिया में ताकत का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा है। रक्षा मंत्री ने चीन पर साइबर हमलों, अपने पड़ोसियों को डराने और दक्षिण चीन सागर में अवैध कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए। हेगसेथ ने ये भी कहा कि चीन लगातार ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास कर रहा है, जो किसी बड़े हमले की तैयारी लगती है।

लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में राजद प्रमुख लालू यादव को झटका

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और RJD के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इस घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। लैंड फॉर जॉब घोटाले का मामला तब का है जब लालू यादव रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान कई उम्मीदवारों को जमीन के बदले नौकरियां दी गई थीं। अदालत ने आरजेडी प्रमुख की याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह मामला पहले से ही स्पेशल जज की अदालत में बहस के लिए लिस्टेड है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट के सामने अपनी दलील रखने की पूरी आजादी है।

दिल्ली-महाराष्ट्र-पश्चिम बंगाल समेत 7 राज्यों में एनआईए की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग का है शक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) देश के पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसी आतंकी गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं को लेकर 5 राज्यों में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, हरियाणा समेत कुल पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

आंचलिक दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, जबलपुर
1489, राइट टाउन, मानस भवन के पास, जबलपुर– 482002 (म.प्र.)
Ph.: 0761-2480150, Email: armbja@bankofbaroda.co.in

ई- नीलामी बिक्री सूचना

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

परिशिष्ट– IV-A (नियम 6 (2) एवं 8 (6) का परन्तुक देखें)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6 (2) एवं 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति–दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियाँ जो **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित हैं, का प्रलक्षित/ वास्तविक कब्जा **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है को **''जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है''** निम्न वर्णित ऋणियों से **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार को निम्न वर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु ई– नीलामी द्वारा बेची जाएगी। बकाया राशि/आरक्षित मूल्य/ई– नीलामी दिनांक एवं समय एवं धरोहर राशि नीचे दर्शाई गई है :–

क्र. सं.	ऋणी/जमानतदार/ बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल संपत्ति का विवरण उस पर ज्ञात भार यदि कोई हो एवं संपत्ति मालिक का नाम	बकाया राशि	ई– नीलामी की दिनांक एवं समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	कब्जे का प्रकार (प्रलक्षित/भौतिक)	सम्पत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय
1	**ऋणी: (1) मेसर्स लधाराम टिकयोमल प्रोप्राईटर– श्री वासू इडवानी,** फैक्ट्री पता– ग्रामः सुराजपुरा, भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118 **(2) मेसर्स लधाराम टिकयोमल प्रोप्राईटर– श्री वासू इडवानी,** रजिस्टर्ड ऑफिस– लालबहादुर शास्त्री वार्ड, भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118 **(3) श्री वासू कुमार इडवानी,** सदर बाजार, भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118 **(4) श्री शिव इडवानी, सदर बाजार,** भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118 **(5) श्री गोपाल इडवानी,** सदर बाजार, भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118 **(6) श्रीमती मीना इडवानी पत्नि लधाराम इडवानी,** सदर बाजार, भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)– 493118	1. आवासीय भूमि एवं बिल्डिंग नजूल शीट नं. 12सी, प्लाट नं. 25, बन्दोबस्त नं. 491, एरिया 914.60 वर्गफुट, सदर बाजार, भाटापारा, आरआईसी. एवं तहसील भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)। सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति मीना बाई अडवानी, श्री शिव अडवानी, श्री वासू अडवानी एवं श्री गोपाल अडवानी। चतुर्सीमाः उत्तर– राम नारायण की पत्नि का मकान, दक्षिण– गली के बाद लधाराम एवं नाथूलाल जैन का मकान, पूर्व– गली (सकरी), पश्चिम– गली के बाद मूलशंकर नाथानी का मकान।	रू. 18702766.10/- + ब्याज एवं खर्चे 03-09-2019 से जो लागू हों	24-06-2025 दोप.2.00 बजे से 6.00 बजे तक	Rs. 1600000/- / Rs. 160000/- / Rs. 25000/-	सांकेतिक	21-06-2025 सुबह 11.00 बजे से 4.00 बजे तक
		2. खुली डायवर्टेड भूमि खसरा नं. 707/1, 2, 3, 4 एवं खसरा नं. 711/3, 9, 10, 13 का भाग, चेंज खसरा नं. 707/15, एकीकृत खसरा नं. 711/24, एरिया 0.068 हेक्टे. या 7358 वर्गफुट, मौजा हथनी हाथीपारा वार्ड, आरआईसी एवं तहसील भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)। सम्पत्ति स्वामिनी– श्रीमति मीना बाई अडवानी पत्नि लधाराम अडवानी। चतुर्सीमाः उत्तर– 30 फुट रोड, दक्षिण– वेदप्रकाश कमनानी की भूमि, पूर्व– वेदप्रकाश कमनानी की भूमि, पश्चिम– वेदप्रकाश कमनानी की भूमि।			Rs. 1700000/- / Rs. 170000/- / Rs. 25000/-		
		3. फैक्ट्री भूमि एवं बिल्डिंग स्थित खसरा नं. 510/4, प.ह.नं. 04, ग्राम– सुराजपुरा, तहसील भाटापारा, जिला– बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.), एरिया– 13450 वर्गफुट, सम्पत्ति स्वामी– मेसर्स लधाराम टिकयोमल प्राप्राईटर श्री वासू अडवानी। चतुर्सीमाः उत्तर– 30 फुट रोड, दक्षिण– राधेश्याम की भूमि, पूर्व– राधेश्याम की भूमि, पश्चिम– दीपक एवं दिनेश की भूमि।			Rs. 8800000/- / Rs. 880000/- / Rs. 50000/-		

सरफेसी अधिनियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन 15 दिनों की वैधानिक विक्रय सूचना है।

विक्रय के निबंध और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट https://www.bankofbaroda.in/e-auction एवं ई– नीलामी पोर्टल– Baanknet.com देखें। अन्य संबंधित जानकारी के लिए प्राधिकृत अधिकारी से फोन नं. 0761– 2480150, मोबा. नं. 9810553775 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्थानः जबलपुर, दिनांकितः 01.06.2025

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

म्यूचुअल फंड व हेज फंड, दोनों निवेश के विकल्प

- दोनों के उद्देश्यों और रणनीतियां काफी अलग-अलग
- म्यूचुअल फंड सुरक्षित और आम लोगों के लिए सही
- हेज फंड जोखिम भरा, लेकिन हाई रिटर्न वाला विकल्प

हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड और हेज फंड-दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन अलग-अलग सोच और जोखिम के साथ आते हैं। म्यूचुअल फंड को सुरक्षित निवेश के तरीकों में और आम लोगों के लिए जाना जाता है, जबकि हेज फंड जोखिम भरा है, लेकिन यह हाई रिटर्न वाला ऑप्शन बताया जा रहा है। इसलिए इनके बीच में काफी गहरा फर्क है। जब बात निवेश की आती है, तो म्यूचुअल फंड और हेज फंड जैसे शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन बिलकुल अलग अंदाज में काम करते हैं? म्यूचुअल फंड आम निवेशकों के लिए होता है, जो अपने पैसे को सुरक्षित और समझदारी से बढ़ाना चाहते हैं। वहीं हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

होता क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड एक तरह का निवेश का ऑप्शन होता है, जिसमें एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर कई निवेशकों से इकट्ठा किए हुए पैसे को है और उसे बॉन्ड, स्टॉक्स और अन्य सिक्योरिटीज जैसे विविध प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड का उद्देश्य इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स को ऐसे डायवर्सिफाइड और प्रोफेशनल तरीके से मैनेज पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रोवाइड करना होता है, जिन्हें वे अकेले नहीं खरीद पाते हैं। म्यूचुअल फंड खासकर शुरुआती निवेशकों या उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जो निवेश में ज्यादा शामिल होना नहीं चाहते। यदि आपकी निवेश अवधि लंबी है और जोखिम लेने की क्षमता कम है, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए फाइनेंशियल मार्केट में शामिल होने का आसान तरीका है, भले ही आपको इस सेक्टर में ज्यादा जानकारी न हो।

क्या होता है हेज फंड

हेज फंड एक तरह का खास इन्वेस्टमेंट ऑप्शन होता है, जिसमें केवल अमीर और अनुभवी निवेशक पैसा लगाते हैं। यह फंड अलग-अलग और थोड़ी कॉम्प्लेक्स स्ट्रेटजी से ज्यादा फायदा कमाने की कोशिश करता है। हेज फंड वाले ज्यादा जोखिम उठाते हैं और वे उधार लेकर या मार्केट में शॉर्ट सेलिंग जैसी तरकीबों का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। ये फंड ज्यादा नियमों से बंधे नहीं होते और इसलिए इनके काम करने का तरीका म्यूचुअल फंड से अलग होता है। हेज फंड उन लोगों के लिए है जो बड़ा पैसा लगाना चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं।

म्यूचुअल फंड्स और हेज फंड्स में अंतर

- **ऑब्जेक्टिव :** म्यूचुअल फंड्स का मकसद निवेशकों को सुरक्षित और लगातार रिटर्न देना होता है। इसके लिए वे पैसा कई कंपनियों में लगाते हैं। हेज फंड्स का मकसद ज्यादा मुनाफा कमाना होता है, भले ही इसके लिए जोखिम उठाना पड़े।
- **इनवेस्टर बेस :** म्यूचुअल फंड्स में कोई भी आम व्यक्ति निवेश कर सकता है। हेज फंड्स में सिर्फ ज्यादा पैसा वाले या अनुभवी निवेशक ही पैसा लगा सकते हैं।
- **मैनेजमेंट :** म्यूचुअल फंड्स को नियमों के अनुसार प्रोफेशनल लोग संभालते हैं। हेज फंड्स को ज्यादा आजादी होती है और इन्हें कम निगरानी में चलाया जाता है।
- **इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी :** म्यूचुअल फंड्स में पैसा सुरक्षित और अलग-अलग जगहों पर लगाया जाता है। हेज फंड्स जोखिम लेकर जटिल और आक्रामक तरीके अपनाते हैं।
- **लिक्विडिटी :** म्यूचुअल फंड्स से आप किसी भी दिन पैसा निकाल सकते हैं। हेज फंड्स में अक्सर लॉक-इन पीरियड होता है, यानी कुछ समय तक पैसा नहीं निकाल सकते।
- **फीस :** म्यूचुअल फंड्स में फीस कम होती है और पहले से तय होती है। हेज फंड्स में फीस ज्यादा होती है और मुनाफे पर बेस्ड भी हो सकती है।
- **रेग्युलेशन :** म्यूचुअल फंड्स पर सख्त सरकारी नियम लागू होते हैं और ट्रांसपेरेंसी बनी रहती है। हेज फंड्स पर कम नियम होते हैं और जानकारी कम मिलती है।
- **निवेश रणनीति :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर अधिक पारंपरिक निवेश रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जबकि हेज फंड अधिक आक्रामक और उच्च जोखिम वाले रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- **जोखिम स्तर :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं, जबकि हेज फंड उच्च जोखिम वाले हो सकते हैं।
- **निवेशक योग्यता :** म्यूचुअल फंड अधिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होते हैं, जबकि हेज फंड अक्सर उच्च नेटवर्थ वाले निवेशकों के लिए आरक्षित होते हैं।
- **अंततः,** म्यूचुअल फंड और हेज फंड दोनों में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में ज्यादा रिटर्न चाहिए तो पांच चीजों पर कर लें फोकस

- एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बेहद जरूरी
- आप कभी निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें
- अपनी ज़रूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करते रहे

जानकारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक निवेशक हैं या निवेश करने जा रह रहे हैं तो कुछ बातें अपने पल्ले बांध लें। इससे आप आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे। कहते हैं तुरंत पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन धैर्य और संयम के साथ निवेश किया जाए तो आप बेहतर रिटर्न प्राप्त कर मोटा पैसा बना सकते हैं। यदि आप सीधे शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने का जोखिम नहीं लेना चाहते, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां आपका जोखिम कुछ हद तक कम हो जाता है। अगर आप एकमुश्त बड़ी रकम निवेश करने में सक्षम नहीं हैं, तो सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में आप हर महीने एक छोटी रकम निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको 5 ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

निवेश में देरी न करें

एसआईपी का एक सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) की पावर है। आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे, उतना ही बड़ा फंड बना पाएंगे। इससे आप छोटे निवेश से भी समय के साथ बड़ी पूंजी जमा कर सकते हैं। देरी से शुरुआत करने का मतलब है कंपाउंडिंग का पूरा फायदा न ले पाना। इसलिए समय रहते निवेश की प्लानिंग करें। जितना जल्दी हो सके निवेश की प्लानिंग करें और उसे बढ़ाते जाएं। इससे आप आसानी से अपना पैसा बढ़ा पाएंगे।

हमेशा अनुशासित रहें

अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जो निवेशकों को परेशान करने वाले हो सकते हैं, लेकिन एसआईपी में सफलता की कुंजी अनुशासित रहना है। बाज़ार में गिरावट के दौरान भी अपने निवेश को जारी रखने से आप कम कीमतों पर अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, जिससे समय के साथ आपकी खरीद लागत का औसत निकल जाता है (इसे रुपया लागत औसत भी कहते हैं)। घबराकर निवेश बंद न करें। बाजार में उतार-चढ़ाव से परेशान न हों, बल्कि जब बाजार में गिरावट आए तो अपने निवेश को और बढ़ाने का प्रयास करें। उससे भागने का प्रयास न करें। एसआईपी के जरिये निवेश आपके लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

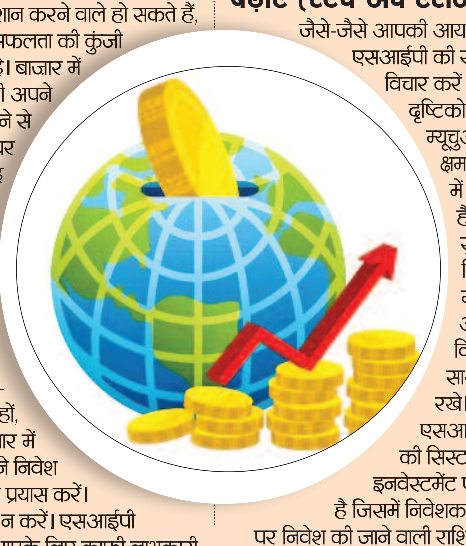

धीरे-धीरे एसआईपी की रकम बढ़ाएं (स्टेप-अप एसआईपी)

जैसे-जैसे आपकी आय बढ़े, अपनी एसआईपी की रकम बढ़ाने पर विचार करें। यह स्टेप-अप दृष्टिकोण आपको म्यूचुअल फंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश महंगाई और आपके बढ़ते वित्तीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बनाए रखे। स्टेप-अप एसआईपी एक प्रकार की सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी के फायदे

- **वृद्धि के साथ निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक अपनी आय में वृद्धि के साथ निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ा सकते हैं।
- **लंबी अवधि के लिए उपयुक्त :** स्टेप-अप एसआईपी लंबी अवधि के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इसमें निवेशक अपने निवेश को बढ़ाते हुए लंबी अवधि में अधिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।
- **नियमित निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें अनुशासन में रहने में मदद मिलती है।

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के टेंशन से बचना है तो बॉन्ड में निवेश फायदेमंद

- निवेश का एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं
- इसमें जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी बॉन्ड में निवेश करें
- बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं

तैयारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से परेशान रहते हैं, तो बॉन्ड एक बेहतर और स्थिर निवेश विकल्प साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं। यही वजह है कि बॉन्ड निवेश खासकर उन लोगों के लिए आकर्षक बनता जा रहा है जो जोखिम से बचना चाहते हैं और स्थिर आय की तलाश में हैं। पिछले तीन महीनों में निफ्टी 50 में 5.4% की गिरावट आई है, जबकि सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड स्थिर रिटर्न दे रहे हैं।" सरकारी बॉन्ड फिलहाल सालाना 6.2% से 6.8% का रिटर्न दे रहे हैं, जबकि उच्च रेटिंग (एएए) वाले कॉरपोरेट बॉन्ड 6.8% से 7.5% का सालाना रिटर्न दे रहे हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, खासकर वे जो जोखिम से बचना चाहते हैं, बॉन्ड एक सुरक्षात्मक निवेश के तौर पर काम करते हैं। साथ ही, निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए भी यह एक अहम साधन है, जिससे बाजार की अस्थिरता करीब 30% तक कम की जा सकती है।

बॉन्ड रिटर्न में भरोसा बढ़ रहा

इंडिया बॉन्ड्स के सह-संस्थापक विशाल गोयनका के मुताबिक, जब बाजार भू-राजनीतिक तनावों, केंद्रीय बैंक की नीतियों और वैश्विक घटनाओं से प्रभावित हो रहा हो, उस वक्त बॉन्ड निवेश एक स्थिर नकदी प्रवाह और पूंजी संरक्षण प्रदान करता है। इसलिए बॉन्ड निवेशकों के लिए भरोसे का सौदा है। इसमें भले रिटर्न दूसरे विकल्पों से कुछ कम हो, लेकिन कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाता। इसलिए भी बॉन्ड में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा जा रहा है खाकर उन लोगों में जो जोखिम से बचना चाहते हैं और सुनिश्चित और नियमित रिटर्न चाहते हैं। इसलिए आप भी सुरक्षित निवेश करना चहते हैं तो बॉन्ड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

आंकड़ों पर एक नजर

2020-2025 के दौरान निफ्टी 50 का कुल रिटर्न 19.8% रहा, लेकिन उतार-चढ़ाव अधिक था। वहीं, सोना ने इसी अवधि में 16.32% का सालाना रिटर्न दिया। 10 साल के सरकारी बॉन्ड का औसत रिटर्न 6.19% और एएए कॉरपोरेट बॉन्ड्स का सालाना औसत रिटर्न 6.9% रहा। 2024-25 में, निफ्टी ने सिर्फ 7.44% रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 41.5% और एएए रेटेड कॉरपोरेट बॉन्ड्स ने 8.03% का स्थिर रिटर्न दिया।

जागरूकता की कमी

आज भी बॉन्ड, खासकर युवाओं के बीच, उतने लोकप्रिय नहीं हैं। इसका कारण है अपेक्षाकृत कम रिटर्न, कम प्रचार, और वित्तीय ऐप्स व मीडिया में कम उपस्थिति। युवाओं में ज्यादा रिटर्न की चाहत उन्हें इक्विटी या म्यूचुअल फंड की ओर खींचती है।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

बिजनेस साइट

रिलायंस डिजिटल की 'बूट अप इंडिया' सेल में बेहतरीन डील्स और 1 करोड़ की स्कॉलरशिप

मुंबई। टेक्नोलॉजी को सभी के लिए सुलभ और उपयोगी बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए रिलायंस डिजिटल ने अपने नवीनतम अभियान 'बूट अप इंडिया' की शुरुआत की है। यह अभियान युवाओं को सशक्त बनाने और देशभर के छात्रों के लिए बेहतर तकनीकी अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस पहल के तहत रिलायंस डिजिटल न केवल अत्याधुनिक लैपटॉप्स और डिवाइसेज़ पर बेहतरीन डील्स दे रहा है, बल्कि 1 करोड़ की स्कॉलरशिप की भी घोषणा की गई है, जिससे देश के कोने-कोने में मौजूद छात्रों को लाभ मिलेगा।

मलाबार समूह ने सीएसआर के तहत 150 करोड़ रुपए किए आवंटित

नई दिल्ली। देश के अग्रणी व्यापारिक समूह मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मलाबार समूह ने 2025-26 के लिए अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहलों के तहत 150 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इस राशि का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, भूख और गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों के लिए आवास जैसी सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। समूह की प्रमुख सीएसआर योजना 'हंगर फ्री वर्ल्ड' के अंतर्गत भारत और जाम्बिया में रोज़ाना 70,000 जरूरतमंद लोगों को मुफ्त भोजन प्रदान करने की योजना है।

हर दिन 70 हजार जरूरतमंदों को मिलेगा भोजन

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)
कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑम्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

आईपीएल : दूसरा क्वालीफायर मुकाबला आज शाम 7.30 बजे

पांच बार की चैंपियन मुंबई से आज पंजाब का मुकाबला, विजेता का सामना बेंगलुरु से

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अपने पहले खिताब की कवायद में लगी पंजाब किंग्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में रविवार को यहां पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे निश्चित तौर पर उसका आत्मविश्वास डिग गया होगा।

पंजाब किंग्स को अगर पहली बार चैंपियन बनना है तो उसे इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच सेमीफाइनल जैसा है। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में खिताब की प्रबल दावेदार गुजरात टाइटन्स को हराकर छठे खिताब की ओर एक और कदम बढ़ाया। इस जीत से मुंबई का निश्चित तौर पर आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

आरसीबी और पंजाब किंग्स की तुलना में मुंबई इंडियंस की टीम नॉकआउट चरण में जीत दर्ज करने का अधिक अनुभव रखती है। उसके मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के सामने चुनौती अपनी टीम को संगठित रखने की होगी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने हालांकि अभी तक यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। पिछले सत्र में सबसे निचले पायदान पर रही मुंबई इंडियंस को प्लेऑफ में पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

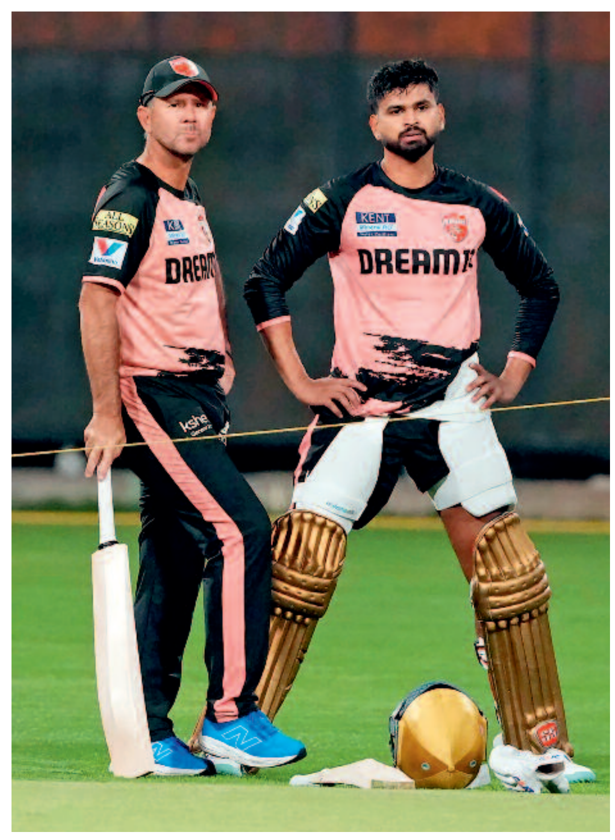

हार का भुलाना चाहेंगे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी

पंजाब किंग्स में कप्तान श्रेयस अय्यर और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की जोड़ी के लिए चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके खिलाड़ी पिछले मैच में मिली करारी हार को भूल जाएं और अपनी ऊर्जा को उन चुनौतियों से लड़ने में लगाएं जो विशेषकर गेंदबाजी विभाग में कुछ खिलाड़ियों के बाहर हो जाने से सामने आई हैं। इससे उसके मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है। मार्को यानसन की अनुपस्थिति और आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल की अनुपलब्धता टीम के लिए परेशानी का सबब बन गई है क्योंकि उसने इन खिलाड़ियों की जगह पर जो विकल्प आजमाए वे अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके।

फार्म में हिटमैन रोहित

जहां तक मुंबई इंडियंस का सवाल है तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शुरू में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाकर गुजरात टाइटंस के खिलाफ बड़ी पारी खेली। रोहित फिर से लय में लौट आए हैं और पंजाब किंग्स के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। अगर समग्र तौर पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम में कोई कमी नजर नहीं आ रही है क्योंकि उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पिच बल्लेबाजों के अनुकूल

फाइनल में पहुंचने के लिए उसकी टीम काफी हद तक रोहित, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या पर निर्भर रहेगी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मैच का नतीजा काफी हद तक गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा क्योंकि यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है जिस पर काफी बड़े स्कोर बने हैं।

खास बातें

शाह ने की यूईएफए अध्यक्ष से मुलाकात

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने इंटर मिलान और पेरिस सेंट जर्मेन के बीच एलियांज एरिना में खेले जाने वाले चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन से मुलाकात की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सचिव शाह ने शुक्रवार को सेफरिन से मुलाकात की। शाह ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, 'चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने और यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन के साथ चर्चा करने का सम्मान मिला। हमारे खेल को विश्व स्तर पर पहुंचाने के लिए अन्य खेलों के प्रमुखों से मुलाकात करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

ध्यान 2026 एशियाड पर यूटीटी से तैयारी शुरू

अहमदाबाद। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार के चैंपियन हरमीत देसाई जापान में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में पोडियम फिनिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके लिए वह अल्टीमेट टेबल टेनिस के छठे सत्र को तैयारी की तरह लेंगे क्योंकि इसमें कई अनुभवी खिलाड़ी भाग लेंगे। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज देसाई ने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने गोल्ड कोस्ट में पुरुष युगल में कांस्य पदक और जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता है।

इंटर काशी फिर खेल पंचाट में जाने को तैयार

नई दिल्ली। आई लीग क्लब इंटर काशी दूसरी बार खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाने को तैयार है क्योंकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने नामधारी एफसी, रीयल कश्मीर और चर्चिल ब्रदर्स के फुटबॉलर मारियो बार्को के पुनः पंजीकरण को लेकर वाराणसी स्थित क्लब के खिलाफ अपील को बरकरार रखा है। एआईएफएफ अपील समिति के ताजा फैसले का मतलब है कि इंटर काशी के चार अंक काटे जाएंगे जबकि चर्चिल ब्रदर्स के अंक में दो अंक जुड़ जाएंगे और नामधारी को तीन अंक मिलेंगे।

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
साई सुदर्शन	प्रसिद्ध कृष्णा
759 रन	25 विकेट
गुजरात	गुजरात

खबर संक्षेप

युद्धवीर बने भारतीय टेस्ट टीम के मैनेजर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के अनुभवी प्रशासक युद्धवीर सिंह को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। युद्धवीर यूपीसीए के आजीवन सदस्य हैं। वह इससे पहले संघ के सचिव और निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं।

भारत की युवा टेस्ट टीम इंग्लैंड में छोड़ेगी छाप

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने शनिवार को यहां कहा कि भारत के युवा खिलाड़ियों में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में कुछ खास हासिल करने की क्षमता है, बशर्ते वे खुद पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी आगे आए। 25 वर्षीय शुभमन गिल की अगुवाई में भारत अगले महीने इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू करेगा।

फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट

अल्काराज की संघर्षपूर्ण जीत चौथे दौर में पहुंचे होल्कर रुने

एजेंसी ▶▶| पेरिस

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ ने चार सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके होल्गर रुने के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज ने रात के सत्र में खेले गए मैच में बोस्निया के 33 वर्षीय खिलाड़ी दामिर दज़ुमुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराया।

यह पहला अवसर था जबकि स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज बोस्निया के खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। चौथे दौर में उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। इस बीच डेनमार्क के 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुने ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को पांच सेट तक चले मैच में 4-6, 6-2, 5-7, 7-5, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

सिनर की लगातार 17वीं जीत

शीर्ष रैंकिंग के खिलाफ यानिस सिनर ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को अपना दबदबा कायम करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को एक तरफ मुकाबले में 6-0, 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। इटली के इस खिलाड़ी ने 23 साल के लेहेका को एक घंटे 34 मिनट में हराकर इस सत्र की सबसे तेज जीत दर्ज की।

सात्विक-चिराग का सफर सेमीफाइनल में खत्म

सिंगापुर। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी का सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर पुरुष युगल के सेमीफाइनल में शनिवार को यहां मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ हार के साथ खत्म हो गया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले गेम की बढ़त को भुनाने में नाकाम रही और 64 मिनट तक चले मुकाबले को 21-19, 10-21, 18-21 से गंवा बैठी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जबरदस्त धैर्य और जज्बे का प्रदर्शन कर सात मैच प्वाइंट बचाए लेकिन यह उन्हें हार से बचाने के लिए काफी नहीं था।

भारत ने जीते 24 पदक, सचिन सहित 3 को रजत

एजेंसी ▶▶| गुमी

भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कई व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और अंतिम दिन छह पदकों के साथ कुल 24 पदकों के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता के आखिरी दिन शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन से तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक हासिल किए।

पारुल चौधरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा रजत पदक जीता और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी दूसरे स्थान पर रहे जबकि धावक अनिमेष कुजूर ने राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। विथ्या रामराज और पूजा ने भी

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। भारत का अभियान इस तरह आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारतीय दल पिछले सत्र में 27 पदक जीते थे लेकिन जब स्वर्ण पदकों की संख्या छह थी। इससे पहले 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीतने वाली पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उभरते सितारे 25 वर्षीय यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 86.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी प्रभावित किया तथा 82.57 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

नायर का दोहरा शतक, भारत-ए का 557 रन का विशाल स्कोर

एजेंसी ▶▶| कैंटरबरी

करुण नायर के शानदार दोहरे शतक से भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 557 रन बनाए। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए।

भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनके दोहरे शतक से टीम ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन

पूरे किए। इससे पहले भारत ए ने ध्रुव जुरेल (94) और नीतिश कुमार रेड्डी (07) के रूप में दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे। नायर और जुरेल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले सरफराज खान ने 119 गेंदों में 92 रन बनाए थे।

आईसीसी ने तीनों फार्मेट को रोमांचक बनाने किया फैसला

आज से टेस्ट, वनडे और टी20 के नियमों में बदलाव

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने टेस्ट और वनडे के साथ टी20 फॉर्मेट को और रोमांचक बनाने के लिए अगले महीने जून से कुछ नए नियमों को बदलने का फैसला लिया है। इसमें वनडे में 2 नई गेंदों के इस्तेमाल के अलावा कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम में बदलाव के साथ बाउंड्री लाइन पर पकड़े जाने वाले कैच के नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। नियमों में हो रहे बदलाव का सबसे ज्यादा असर वनडे फॉर्मेट में देखने को मिलेगा जिसमें गेंदबाजों को अधिक फायदा होगा।

वनडे फॉर्मेट में पिछले कुछ सालों में बल्लेबाजों का दबदबा पूरी तरह से देखने को मिल रहा है, जिसमें दोनों छोर से दो नई गेंद होने की वजह से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग हासिल करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने वनडे में 2 गेंदों के प्रयोग को लेकर अब नियम में जो बदलाव किया है उसमें 17-17 ओवर्स तक 2 गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा,

जिसके बाद अब 35 ओवर्स के बाद सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा जिससे गेंदबाजों के लिए आखिरी ओवर्स में रिवर्स स्विंग हासिल करने में थोड़ी मदद मिलेगी जिससे बल्लेबाजों के लिए तेजी से रन बनाना थोड़ा मुश्किल काम जरूर होगा।

कप्तान करेगा फैसला : 35वें ओवर से किस गेंद का प्रयोग करना है इसका फैसला फील्डिंग करने वाली टीम का कप्तान करेगा। वहीं यदि मुकाबला किसी वजह से 25 या उससे कम ओवर्स का खेला जाता है तो उस स्थिति में सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा। वनडे में ये नया नियम 2 जुलाई से शुरू होने वाली श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज से लागू होगा।

हरिभूमि माह मई 2025 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
31 दिन	5.00	155.00
	कुल	155.00

हरिभूमि के सुधि पाठक मई 2025 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।
व्यवस्थापक

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com